RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 323 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 23-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश अब माफिया, गुंडागर्दी और अराजकता से मुक्त हो चुका है : योगी

6 युद्धविराम से आगे : क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

7 मेरे गाने आज भी लोगों को याद, संगीत बना सबसे खूबसूरत पहचान : करिश्मा कपूर

फर्स्ट टेक

'आधार' मोबाइल ऐप पांच माह में 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की तरफ से पेश नए 'आधार' मोबाइल ऐप को पांच माह के भीतर ही 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस ऐप के माध्यम से करीब 40 लाख उपयोगकर्ताओं ने अपने मोबाइल नंबर को अद्यतन किया है, जबकि लगभग 8.5 लाख लोगों ने पते में संशोधन की सुविधा का उपयोग किया है। प्राधिकरण ने कहा कि पांच महीने पहले पेश किए गए इस ऐप को देशभर में तेजी से स्वीकृति मिल रही है और इसका बढ़ता उपयोग इस पर लोगों के बढ़ते भरोसा जताता है।

कुणाल शाह संभालेंगे व्हाट्सएप की कमान

नई दिल्ली/भाषा। कुणाल शाह के व्हाट्सएप का वैश्विक प्रमुख बनने के साथ दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों की अगुवाई करने वाले भारतीय मूल के कार्यकारियों की सूची में एक और नाम जुड़ गया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) मंच क्रेड के संस्थापक शाह, मेटा की वैश्विक लीडरशिप टीम में शामिल होकर इस बड़ी प्राद्योगिकी कंपनी के मैसेजिंग मंच को संभालेंगे। शाह के व्हाट्सएप से जुड़ने के साथ एक और नाम भारतीय परिवेश से निकलकर सिलिकॉन वैली के शीर्ष स्तर तक पहुंचने वालों की सूची में शामिल हो गया है। इस बदलाव के साथ शाह उन खास पेशेवरों के समूह में शामिल हो गए हैं जो अरबों उपयोगकर्ता और खरबों डॉलर के बाजार मूल्यांकन वाले मंचों को संभालते हैं।

कतर में फैक्टरी में हुए धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल

दुबई/भाषा। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर में एक फैक्टरी में हुए धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कतर के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रविवार रात रास लाफान में हुए हादसे में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। पोस्ट में कतर के अधिकारियों के हवासे कहा गया है कि धमाके में घायल लोगों का उचित इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। इसमें कहा गया है, दूतावास इस घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए कतर के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

23-06-2026 सूर्यास्त 6:48 बजे	24-06-2026 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
76,802.90	24,013.10
(-607.08)	(-154.90)

सोना	चांदी
15,018 रु.	240,672 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समानता सूत्र

हम जाति पूछना बंद करें,
ना पूछे धर्म वर्ग आधार।
मिट जाएगा भेद स्वतः ही,
होंगे सम सबके व्यवहार।
आरक्षण उनको देवें,
जो हैं लाचार दीन बीमार।
जिनको इसका लाभ मिल गया,
छोड़ें परहित में अधिकार।।

'जब माओवादी हिंसा चरम पर थी, तब संविधान दिखाने वालों के हाथ कांप रहे थे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जो इलाके कभी नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां अब विकास की नई किरणें दिखाई दे रही हैं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में दशकों से जारी माओवादी हिंसा को लेकर सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि जो लोग आज संविधान लहरा रहे हैं, तब उनके हाथ कांप रहे थे।

यहां रिपब्लिक समिट 2026 को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत न केवल तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, बल्कि एक विश्वसनीय और भरोसेमंद वैश्विक शक्ति भी है और देश अगले 1,000 वर्षों का भविष्य गढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने माओवाद-प्रभावित इलाकों को पिछड़ा इलाका करार दिया था, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने इन इलाकों को बदलने की चुनौती स्वीकार की, वहां के लोगों को निराशा से बाहर निकलने में मदद की और उनमें तरक्की की उम्मीद जगाई।

मोदी ने कहा कि इस नए नजरिए को ध्यान में रखते हुए उनकी सरकार ने उन इलाकों का नाम बदलकर 'आकांक्षी जिले और प्रखंड' कर दिया है और आज ये आकांक्षी जिले और प्रखंड उन क्षेत्रों की तरक्की को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में आबादी का एक बड़ा हिस्सा गरीबी में रहता था, लेकिन पिछले कुछ सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। इस कामयाबी में आकांक्षी जिलों ने अहम भूमिका निभाई है और जो इलाके कभी नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां अब विकास की नई किरणें दिखाई दे रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में भी चरमपंथियों ने आदिवासी इलाकों में कोई भी सुविधा स्थापित नहीं होने दी। उन्होंने कहा कि वहां से सरकारी गाड़ी भी नहीं गुजर सकती थी, क्योंकि उस पर गोलियां बरसा दी जाती थीं। मोदी ने कहा कि सरकारें आईं और गईं, पीढ़ियां आईं और गईं, और ऐसा लगा कि हिंसा की यह बदकिस्मती यूं ही बनी रहेगी। उन्होंने कहा, 2004 से 2014 के बीच, माओवादी उग्रवाद के कारण हिंसा की 17,000 से ज्यादा घटनाएं हुईं और लगभग 7,000 लोगों की जान गई। 2014 के बाद, हमने स्थिति को बदलने के लिए 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ कदम आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा, आज देश में माओवादी उग्रवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि इसके लिए पूर्ण समर्पण की आवश्यकता थी। आज जो लोग संविधान लहरा रहे हैं, उस समय उनके हाथ संविधान दिखाने में भी कांपते थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अलग-अलग मौकों पर संविधान की प्रति लिए हुए देखा गया है, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद सांसद के तौर पर शपथ लेना भी शामिल है।

कैलाश विजयवर्गीय ने एक विवादास्पद बयान में कहा

अगर हम काफिर हैं, तो हमारी बनवाई सड़क पर मत चलो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक विवादास्पद बयान में कहा है कि राज्य सरकार ने किसी भी वर्ग के साथ कभी भेदभाव नहीं किया, लेकिन मुस्लिम समुदाय के कई लोग दूसरे धर्म के जन प्रतिनिधियों को कथित तौर पर 'काफिर' की संज्ञा देते हैं। उन्होंने कहा कि अगर ये लोग जन प्रतिनिधियों को 'काफिर' समझ रहे हैं, तो वे उनकी बनवाई गई सड़क पर न चलें और लाड़ली बहना योजना व लाड़ली लक्ष्मी योजना सरीखे सरकारी कार्यक्रमों का वित्तीय लाभ भी न लें।

आम तौर पर 'काफिर' शब्द का प्रयोग उन लोगों के लिए किया जाता है जो इस्लाम को नहीं मानते या उसके मूल सिद्धांतों को अस्वीकार करते हैं। हालांकि, अलग-अलग काल और व्याख्याओं में इसका अर्थ और प्रयोग भिन्न रहा है। विजयवर्गीय ने इंदौर में अपने निर्वाचन क्षेत्र विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 में रविवार को अलग-अलग विकास कार्यों की शुरुआत के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह विवादस्पद बयान दिया। इस बयान का वीडियो सोमवार को सामने आया। सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाओं के कारण बयान पर विवाद खड़ा हो गया है।

विजयवर्गीय ने कहा, ''यहां यह सड़क बन रही है। मैं देख रहा था कि यहां हिंदू भाई भी रहते हैं और मुसलमान भाई भी रहते हैं। कई मुस्लिम भाई हमको काफिर बोलते हैं। अरे, अगर हम काफिर हैं, हमने सड़क बनाई है, तो इस पर मत चलो भाई।'' उन्होंने आगे कहा, ''यदि हम काफिर हैं और अगर आपके घर में लाड़ली बहना और लाड़ली लक्ष्मी योजनाओं का पैसा आ रहा है, तो मत लो।''

काबीना मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसी भी वर्ग के साथ कभी भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा, ''हमने कहा-सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। यह हमारी नीति है। आप हमें वोट दो या नहीं दो, हमारा काम है जनता की सेवा करना।'' विजयवर्गीय के पास नगरीय विकास एवं आवास और संसदीय कार्य विभाग हैं। उन्होंने रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में करीब 2.40 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की शुरुआत की। इनमें नालियों का निर्माण और सड़क के सीमेंटीकरण के कार्य शामिल हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से केअर स्टॉर्मर ने इस्तीफा दिया

लंदन/भाषा। केअर स्टॉर्मर ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से सोमवार को इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव की समय-सीमा भी तय करते हुए कहा कि आने वाले हफ्तों में नए नेता का चयन कर लिया जाएगा और वह सितंबर तक पदभार संभाल लेंगे।

स्टॉर्मर (63) ने कहा कि लेबर पार्टी के नए नेता के चुने जाने तक वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में पद पर बने रहेंगे। उन्होंने सत्ता का सुचारू हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए नए नेता को अपना ''पूरा समर्थन'' देने का वादा किया।

पिछले सप्ताह हुए एक अहम उपचुनाव में स्टॉर्मर के प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले एंडी बर्नहैम की जीत के बाद उनके प्रधानमंत्री पद से हटने की पृष्ठभूमि तैयार हुई। माना जा रहा कि बर्नहैम प्रधानमंत्री बनेंगे। बर्नहैम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह इस प्रक्रिया के तहत अपनी दावेदारी पेश करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय '10 डाउनिंग स्ट्रीट' से अपने संबोधन में भावुक स्टॉर्मर ने कहा, ''मेरी पार्टी अब यह सवाल पूछ रही है कि क्या अगले आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए मैं सबसे उपयुक्त व्यक्ति हूं?'' उन्होंने कहा, ''मैंने उस सवाल पर अपनी संसदीय पार्टी का जवाब सुना है और मैं उस जवाब को सम्मान के साथ स्वीकार करता हूं। मैंने जो भी फैसला लिया है, उसमें हमेशा उस देश को प्राथमिकता दी है जिससे मैं प्यार करता हूं। इसीलिए मैं लेबर पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे रहा हूं।''

केंद्रीय औषधि निकाय को मई में 46 दवाओं के नमूने घटिया गुणवत्ता के मिले

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने मई के लिए अपनी मासिक औषधि सूचना रिपोर्ट में विभिन्न कंपनियों की 46 दवाओं के नमूनों को ''मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं'' (एनएसक्यू) पाया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इसके अलावा, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 दवाओं के नमूने को 'एनएसक्यू' के तौर पर पहचाना है। नियमित नियामक निगरानी गतिविधि के तहत, एनएसक्यू और नकली दवाओं की सूची हर महीने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) पोर्टल पर दिखाई जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, ''मई 2026 के लिए केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला ने 46 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता का नहीं पाया है और राज्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 दवाओं के नमूने को एनएसक्यू के तौर पर पहचाना है।'' किसी दवा के नमूने को एनएसक्यू तब माना जाता है, जब वह तय गुणवत्ता के मानकों में से किसी एक या अधिक (मानकों) में विफल हो जाता है। सरकारी प्रयोग में जांचे गए बैच की दवाओं में ही यह कमी पाई गई है; इससे बाजार में मौजूद दूसरी दवाओं को लेकर कोई चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।

लखनऊ में इमारत में आग लगने से 15 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लगने के कारण झुलसने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और मामले की जांच के निर्देश दिये।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के जनसंपर्क अधिकारी के.के. सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बचाव दल ने इस घटना में घायल कुल 22 लोगों को केजीएमयू पहुंचाया, जिनमें से 15 को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल की ओर से जारी सूची के अनुसार हादसे में मरने वालों की शिनाख्त सागर, नीलेश, अनामिका, संयम, अनुछा, सुखमणि, आदित्य श्रीवास्तव, ज्योति, भविष्य, अब्दुल रहमान, सूरज शाह, शाहजान, जयनिल चक्रवर्ती, मोहम्मद अम्मार और सुमाल्या के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।

केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने ट्रामा सेंटर में संवाददाताओं को बताया कि शवों का पंचनामा करके पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

सूचना मिलने पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की।

मुख्यमंत्री अलीगढ का दौरा बीच में ही छोड़कर लखनऊ लौटे और घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। वह अस्पताल भी पहुंचे और घायल पीड़ितों से मुलाकात करके संवेदना प्रकट की।

सरकार ने ग्रामीण मजदूरी के आंकड़ों में हेरफेर की : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण मजदूरी में बड़ी वृद्धि दर्शाने के लिए आंकड़ों में हेरफेर की है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि आंकड़ों में हेराफेरी करना ही उसका 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस' है।

रमेश का कहना है कि जून, 2025 से मार्च, 2026 के बीच रिपोर्ट की गई वार्षिक ग्रामीण मजदूरी वृद्धि लगभग छह प्रतिशत से बढ़कर 17-18 प्रतिशत दिखाई गई, जबकि औसत दैनिक मजदूरी केवल एक महीने में 12.7 प्रतिशत बढ़ी हुई दर्ज की गई।

पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''वर्ष 2024 में हमने यह मुद्दा उठाया था कि मोदी सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक के माध्यम से रोजगार की परिभाषा बदलकर रोजगार सृजन में भारी उछाल का दावा किया है। सरकार ने वित्त वर्ष 2018 के बाद से 16.8 करोड़ नए रोजगार सृजित होने का दावा किया। बाद में, इस प्रयास में भूमिका निभाने वाले रिजर्व बैंक के शीर्ष नेतृत्व को मोदी सरकार में महत्वपूर्ण पदों से नवाजा गया।'' उन्होंने दावा किया कि अब मोदी सरकार ग्रामीण मजदूरी के आंकड़ों के साथ भी यही करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस नेता का कहना है, ''हम लगातार यह कहते रहे हैं कि भारत की आर्थिक सुस्ती का मूल कारण वास्तविक (महंगाई-समायोजित) मजदूरी में ठहराव है, जिसने उपभोग वृद्धि को कमजोर किया है और निजी निवेश को हतोत्साहित किया है। इस मूल समस्या का समाधान करने में असफल रहने के बाद, अब सरकार ग्रामीण मजदूरी में कृत्रिम उछाल दिखाने का प्रयास कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि यह कथित मजदूरी वृद्धि वास्तव में एक कार्यप्रणाली में बदलाव का परिणाम है।

ऑस्ट्रेलिया में तीन टन कोकीन बरामद, देश की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती

मेलबर्न/एपी। ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने सिडनी के बाहरी इलाके में स्थित एक संपत्ति से 2.7 मीट्रिक टन (करीब तीन टन) कोकीन बरामद की है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह देश के इतिहास में कोकीन की सबसे बड़ी बरामदगी है। क्वींसलैंड संयुक्त संगठित अपराध कार्यबल ने एक बयान में बताया कि यह मादक पदार्थ सिडनी के पश्चिमी छोर पर स्थित लंदनडेरी उपनगर की एक अर्ध-ग्रामीण संपत्ति में 19 जून को बरामद किया गया। बयान में कहा गया है कि कोकीन को प्लास्टिक के डिब्बों में भरकर भूमिगत बंकरों में छिपाया गया था, जो तीन शिपिंग कंटेनर के नीचे बनाए गए थे। पुलिस का अनुमान है कि इसकी अवैध बाजार में कीमत 81.6 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 57.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) है। मौके से सिडनी निवासी 21 और 25 वर्ष आयु के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

स्विट्ज़रलैंड में हुई बातचीत में

अमेरिका, ईरान 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए रूपरेखा पर सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/ज्यूरिख/भाषा। मध्यस्थता करने वाले देशों कतर और पाकिस्तान ने सोमवार को बताया कि स्विट्ज़रलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में घंटों चली बातचीत के बाद अमेरिका व ईरान एक रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं। इस रूपरेखा का मकसद 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर पहुंचना है। उन्होंने इस प्रगति को उत्साहजनक बताया। मध्यस्थों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुई। संयुक्त बयान में कहा गया, आगे की तकनीकी बातचीत के लिए एक तंत्र बनाने सहित उत्साहजनक प्रगति हुई है।

रविवार और सोमवार को स्विट्ज़रलैंड में 'लेक ल्यूसर्न समिट' में हुई उच्च-स्तरीय बातचीत, उस इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत हुई, जिस पर बृहस्पतिवार को अमेरिका और ईरान ने क्षेत्रीय सुरक्षा और अन्य विवादित मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर किए थे। अमेरिकी दल का नेतृत्व जहां उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वहां की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने किया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने भी बातचीत में हिस्सा लिया और चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद की।

एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद पहली उच्च स्तरीय समिति बैठक, यानि 'लेक ल्यूसर्न समिट' के समापन पर जारी संयुक्त बयान में मध्यस्थों ने कहा कि ईरान, अमेरिका, पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधियों ने समझौते के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की।

इसमें कहा गया है कि एमओयू के आधार पर, पक्ष एक उच्च स्तरीय समिति बनाने पर सहमत हुए हैं, जो मध्यस्थता पर राजनीतिक निगरानी रखेगी। समिति मुख्य वार्ताकारों से नियमित रिपोर्ट प्राप्त करेगी और एमओयू के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने तथा कार्यढांचा के अंतर्गत शामिल मुद्दों पर प्रगति की निगरानी करने के लिए परमाणु, प्रतिबंध और विवाद समाधान तंत्र पर केंद्रित विशेष कार्य समूहों की देखरेख करेगी।

भारत में छुट्टियों के दौरान

बढ़ती यात्रा बुकिंग के दबाव से साइबर हमलों में इजाफा

नई दिल्ली/भाषा। छुट्टियों के दौरान यात्रा बुकिंग की मांग बढ़ने का फायदा उठाने के लिए साइबर अपराधी भारत के यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र को बड़े पैमाने पर निशाना बना रहे हैं। इन संस्थानों को वैश्विक औसत की तुलना में काफी अधिक संख्या में साइबर हमलों का सामना करना पड़ रह हैं। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

साइबर सुरक्षा कंपनी 'चेक पॉइंट रिसर्च' की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले छह महीनों के दौरान भारत में संगठनों को प्रति सप्ताह औसतन 3,296 साइबर हमलों का सामना करना पड़ा, जबकि वैश्विक औसत 2,085 हमले प्रति सप्ताह रहा।

मई 2026 में आतिथ्य, यात्रा और मनोरंजन क्षेत्र के प्रत्येक संस्थान पर औसतन 2,291 साप्ताहिक साइबर हमले दर्ज किए गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक हैं। इसके विपरीत, सभी क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर साइबर हमलों में वार्षिक वृद्धि मात्र दो प्रतिशत रही।

'चेक पॉइंट रिसर्च' ने कहा, ''भारत में खतरा और अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले एक महीने में पाई गई 86 प्रतिशत खतरनाक फाइल डिजिटल माध्यमों से भेजी गईं। इससे स्पष्ट होता है कि फर्जी यात्रा वेबसाइट, नकली बुकिंग मंच और भ्रामक ऑनलाइन विज्ञापन यात्रियों को ठगने के लिए साइबर अपराधियों के सबसे प्रभावी हथियार बन चुके हैं।''

रक्तदान शिविर में 90 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के प्रथम वार्षिक उत्सव पर सैनिकों के सम्मान में व मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विजयनगर मारुति मेडिकल्स द्वारा सोमवार को विजयनगर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में महेन्द्र मुणोत के प्रशंसकों ने भाग लिया और स्वेच्छा से 90 यूनिट रक्तदान किया। अस्वस्थ होने के कारण महेन्द्र मुणोत की अनुपस्थिति में मुणोत के अनुज हंसराज मुणोत व पुत्र आनंद मुणोत ने उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं ग्रहण की तथा आए हुए अतिथियों का सम्मान किया।

पंजाब में बदलाव की लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए भाजपा तैयार: नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लुधियाना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि पार्टी पंजाब में बदलाव के संघर्ष का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने राज्य के कायाकल्प में युवाओं से बड़ी भूमिका निभाने का आह्वान भी किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद पंजाब के अपने पहले दौरे पर आए नवीन ने यहां एक 'युवा मिलनी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा को राज्य के युवाओं से बहुत उम्मीदें हैं और पार्टी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद युवाओं के साथ संवाद करते हुए बुनियादी ढांचे के विकास, पंजाब पर बढ़ते कर्ज के बोझ, कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, उद्योगों के पलायन, कृषि, अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क, खेल और स्वास्थ्य सेवाओं, जैसे विभिन्न मुद्दों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

नवीन ने कहा कि बुनियादी ढांचा और विकास सीधे तौर पर कानून-व्यवस्था से जुड़े हुए हैं और इसके लिए सरकार के पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण होना आवश्यक है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों ने मजबूत शासन और कुशल नेतृत्व के बल पर प्रगति की है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास की दौड़ में पिछड़ गया है। राज्य की वित्तीय स्थिति का जिक्र करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब पर करीब चार लाख करोड़ रुपए का कर्ज है और अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए उसे एक स्थायी राजस्व मॉडल की जरूरत है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पंजाब के लोगों को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने (अन्य राज्यों की तरह) पंजाब में भी ''डबल इंजन सरकार'' की वकालत की।

बिड़दी टाउनशिप विवाद : कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री शिवकुमार को खुली बहस की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को बेंगलूरु दक्षिण जिले में बिड़दी के पास प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप (जीबीआईटी) परियोजना और इसके लिए सरकार द्वारा किए जा रहे भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती दी। कुमारस्वामी ने शिवकुमार से कहा कि उन्हें जब भी मौका मिले, बायरामंगला आएं, जहां किसान इस परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने दावा किया कि 80 से 90 प्रतिशत स्थानीय किसान इस टाउनशिप परियोजना के विरोध में हैं और सरकार द्वारा प्रारंभिक अधिसूचना जारी किए जाने के बाद से 4,000 से अधिक किसानों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। प्रशासन द्वारा इन आपत्तियों का जवाब न दिए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने आलोचना की और पूछा, क्या जनसेवा का यही मतलब होता है?

कुमारस्वामी ने कहा, (शिवकुमार की ओर से) बहस की चुनौती दी गई थी। आइए, बायरामंगला चलते हैं और देखते हैं कि क्या किसानों ने वास्तव में परियोजना के लिए अपनी जमीन देने की सहमति दी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मैं पूरी तरह स्वतंत्र हूं। आप (शिवकुमार) सरकार चला रहे हैं और आधी रात 12 या 1 बजे तक व्यस्त रहेंगे। इसलिए मैंने कहा था कि आप जब भी समय निकालें और कार्यक्रम तय करें, मैं चर्चा के लिए आ जाऊंगा। मैं आज भी वही बात कह रहा हूं कि मैं स्वतंत्र हूं और कभी भी आ सकता हूं। मैंने कभी नहीं कहा कि मैं नहीं आऊंगा। वह व्यस्त हैं और मैं उनकी तरह व्यस्त नहीं हूं। इसलिए अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच यदि वह आते हैं, तो मैं किसी भी समय आने को तैयार हूं। उन्होंने कहा, आइए बायरामंगला के लोगों के बीच चलते हैं, जहां महिलाएं और बुजुर्ग पिछले 450 से अधिक दिनों से धरने पर बैठे हैं। आइए उन्हीं के सामने इस पर चर्चा करें। हालांकि, शिवकुमार ने इस पर विस्तार से प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए कहा कि जद (एस) विधायक आगामी विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाएं और वह वहीं इसका जवाब देंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं कुछ नहीं कहूंगा। जब मैंने (बहस के लिए) बुलाया था, तब वह (कुमारस्वामी) नहीं आए। विधानसभा सत्र होने वाला है, वहां वह अपने अनुभवी नेताओं (विधायकों) से इस मुद्दे पर बोलने को कहें। मैं उन्हें जवाब दूंगा... मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

vedanta

वेदांता एल्युमिनियम की अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (वीएएमएल) ने सोमवार को कहा कि वह बुनियादी ढांचे, मोटर वाहन और विद्युतीकरण क्षेत्रों से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता दोगुनी करते हुए 60 लाख टन प्रतिवर्ष करने की योजना बना रही है। वीएएमएल कंपनी हाल ही में बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हुई है। वेदांता समूह के विभाजन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसने 15 जून से एक स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाई के रूप में कारोबार शुरू किया है और विभाजन एक मई से प्रभावी हुआ है।

कमजोर मानसून से आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर पड़ सकता है दबाव : आरबीआई बुलेटिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर पड़ने से घरेलू आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर दबाव पड़ सकता है जबकि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी नाजुक बना हुआ है। सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक बुलेटिन में यह बात कही गई।

जून माह के बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक से प्रकाशित लेख में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में अंतरिम शांति समझौता होने के बावजूद भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार से जुड़े गतिरोध कायम हैं। लेख कहता है कि अमेरिका एवं ईरान के बीच अस्थायी समझौते से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी कमजोर बना हुआ है।

बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा गया, ''अगर यह समझौता टूटता है तो महंगाई के अनुमानों में उछाल, ऊर्जा आपूर्ति ढांचे में बाधा, निवेश में देरी, खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं और वित्तीय स्थिरता पर असर जैसे जोखिम फिर से बढ़ सकते हैं, जिससे वृद्धि दर पर भी दबाव आ सकता है।'' इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जिसे निजी खपत और स्थायी निवेश से समर्थन मिला। आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती दो महीनों के उच्च-आवृत्ति संकेतक आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मजबूती का संकेत देते हैं।

हालांकि, मई में कुछ तेजी के बावजूद उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नियंत्रित दायरे में बनी हुई है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के चलते भारत का बाहरी क्षेत्र मजबूत बना हुआ है।

किसानों की समृद्धि और गांवों का विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को कहा कि किसानों की समृद्धि, गांवों का विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को राजनांदगांव के 'स्टेट हाई स्कूल' मैदान में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन और लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित किया। साय ने कहा, ''किसानों की समृद्धि, गांवों का विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश में विकास और सुशासन के नए अध्याय लिख रही है।'' मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान राजनांदगांव जिले को 510.89 करोड़ से अधिक की लागत की 333 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने शिवनाथ नदी के मोहारा मेला स्थल से ऑक्सीजन जोन तक सस्पेंशन ब्रिज, ईरा एनीकट निर्माण और संरक्षण कार्य, कुमरदा-गेंदाटोला-कल्लूबंजारी मार्ग निर्माण तथा घुमरिया व्यपवर्तन जीर्णोद्धार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की भी घोषणा की। साय ने कहा कि राजनांदगांव जिले ने फसल चक्र परिवर्तन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। यहां किसानों को पारंपरिक खेती के साथ दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''खरीफ 2026 से कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन अथवा अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इससे किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।''

उद्धव गुट के छह सांसदों के शिवसेना में शामिल होने पर शिंदे ने कहा, ऑपरेशन टाइगर पूरा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को घोषणा की कि शिवसेना (उबाठा) के सभी छह बागी लोकसभा सदस्यों के आधिकारिक तौर पर सत्ताधारी शिवसेना में शामिल होने के साथ ही ऑपरेशन टाइगर अब पूरा हो गया है। इससे उद्धव ठाकरे के गुट में एक और विभाजन की प्रक्रिया पूरी हो गई।

नई दिल्ली में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की संसदीय दल की एक अहम बैठक में शामिल न होने के पांच दिन बाद, शिंदे और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में एक कार्यक्रम में बागी सांसद शिवसेना में शामिल हुए। शिवसेना (उबाठा) संसदीय दल की बैठक में केवल तीन लोकसभा सदस्य शामिल हुए थे। पाला बदलने वाले शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सदस्य हैं: संजय देशमुख (यवतमाल), संजय जाधव (परभणी), संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व), नागेश पाटिल-आष्टीकर (हिंगोली), ओमप्रकाश राजे निंबालकर (धाराशिव) और भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी)। शिंदे ने पाला बदलने वाले छह सांसदों को जमीन से जुड़े 'धुरंधर' बताते हुए कहा, मेरा अभियान एकदम पुख्ता होते हैं। उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ऑपरेशन टाइगर अब पूरा और सफल हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सांसदों की संख्या के हिसाब से शिवसेना अब महाराष्ट्र की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने 2024 के आम चुनावों में भाजपा और शिवसेना के उम्मीदवारों को हराया था। शिवसेना (उबाठा) ने 2024 के आम चुनाव में महाराष्ट्र में नौ लोकसभा सीटें जीती थीं। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा, ये लोकसभा सदस्य अब उस असली शिवसेना में शामिल हो गए हैं, जो दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की सीख का पालन करती है। चार साल पहले मैंने एक कड़ा कदम उठाया था और अब मैंने छक्का मारा है (यह उन सांसदों की संख्या की ओर इशारा है, जिन्होंने पाला बदला है)।

एकनाथ शिंदे ने 'सिजेरियन सर्जरी' करवाई, छह गद्दारों को जन्म दिया : संजय राउत

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने ''छह गद्दारों को जन्म दिया है।'' उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के छह बागी सांसदों के सत्तारूढ़ शिवसेना में शामिल होने के बाद राउत ने यह टिप्पणी की। राउत ने कहा कि एक केन्याई महिला के नाम एक साथ पांच बच्चों को जन्म देने का रिकॉर्ड है, लेकिन शिंदे के सरकारी आवास 'नंदनवन' में छह गद्दारों का पालना झूल रहा है। उन्होंने कटाक्ष किया, ''(एकनाथ) शिंदे ने छह गद्दारों को जन्म दिया है।''

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ''ऑपरेशन टाइगर'' पर टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कटाक्ष करते हुए कहा कि शिंदे ने ''सिजेरियन सर्जरी'' करवाई है। फडणवीस ने रविवार को कहा था कि ऑपरेशन सफल रहा है और शरीर की हालत बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा था, ''किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। जिन्हें आत्ममंथन करने की जरूरत है, उन्हें ऐसा करना चाहिए।'' शिंदे ने घोषणा की कि ''ऑपरेशन टाइगर पूरा हो गया है'', क्योंकि शिवसेना (उबाठा) के सभी छह बागी लोकसभा सदस्य आधिकारिक तौर पर शिवसेना में शामिल हो गए हैं, जिससे उद्धव ठाकरे खेमे में एक और टूट की प्रक्रिया पूरी हो गई। नई दिल्ली में शिवसेना (उबाठा) के संसदीय दल की एक अहम बैठक में शामिल न होने के पांच दिन बाद, बागी सांसदों ने शिंदे और पार्टी (शिवसेना) के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में शिवसेना का दामन थाम लिया। संजय देशमुख (यवतमाल), संजय जाधव (परभणी), संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व), नागेश पाटिल-आष्टीकर (हिंगोली), ओमप्रकाश राजे निम्बालकर (धाराशिव), और भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी) शिवसेना में शामिल हुए हैं।

विद्यालय में भोजन के बाद 100 से ज्यादा बच्चे बीमार, प्रशासन ने शुरू की जांच

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के एक निजी विद्यालय में दो दिन पहले दोपहर के भोजन के बाद करीब 110 बच्चे बीमार पड़ गए जिसके बाद प्रशासन ने सोमवार को खाना बनाने में इस्तेमाल सामग्री के नमूने लेकर जांच शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अनुविभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) दीपक चौहान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शहर के शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल में पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों ने शनिवार (20 जून) को नियमित रूप से परोसा जाने वाला मध्यान्ह भोजन किया था। उन्होंने बताया,''विद्यालय के करीब 110 बच्चों को शनिवार शाम से पेट दर्द और उल्टी की शिकायतें शुरू हुईं। अगले दिन भी कई बच्चों में ये लक्षण सामने आये।'' उन्होंने बताया,''बच्चों में अब तक मुख्य रूप से उल्टी और पेट दर्द के लक्षण सामने आए हैं। वर्तमान में कोई भी बच्चा अस्पताल में भर्ती नहीं है।''

एसडीएम ने बताया कि खाद्य विभाग ने विद्यालय में भोजन तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सभी सामग्रियों के नमूने लिए हैं जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद उचित कदम उठाया जाएगा।

विद्यालय की उप प्राचार्य कामायनी चौहान ने बताया कि शनिवार को बच्चों को दोपहर के भोजन में राजमा, एक सब्जी, चावल, रोटी और आइसक्रीम परोसी गई थी।

जम्मू-कश्मीर: ज्येष्ठ अष्टमी पर खीर भवानी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुलमुल्ला/भाषा। कश्मीरी पंडित समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सवों में से एक 'ज्येष्ठ अष्टमी' के अवसर पर सोमवार को हजारों श्रद्धालु यहां खीर भवानी मंदिर में एकत्र हुए तथा वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच यह पर्व मनाया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी मातृभूमि में सम्मानजनक और सुरक्षित वापसी की मांग भी दोहराई।

इस वार्षिक उत्सव में इस बार हाल के वर्षों की तुलना में सबसे अधिक श्रद्धालुओं की मौजूदगी दर्ज की गई। देश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं ने मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित मंदिर परिसर में माता रागन्या भगवती के दर्शन किए। माता रागन्या भगवती, जिन्हें 'माता क्षीर भवानी' भी कहा जाता है, देवी पार्वती का एक अत्यंत पवित्र और पूजनीय स्वरूप हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। यह उत्सव देवी रागन्या भगवती के प्रकटोत्सव के रूप में मनाया जाता है। कश्मीर में देवी को समर्पित कई मंदिरों में यह पर्व मनाया जाता है, जिनमें तुलमुल्ला में खीर भवानी, देवसर में त्रिपुर सुंदरी, मंजगाम में राग्न्या भगवती, लोकतीपोरा और टिक्कर शामिल हैं। विस्थापित कश्मीरी पंडितों के लिए यह तीर्थयात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं थी, बल्कि अपनी जड़ों से भावनात्मक जुड़ाव का अवसर भी थी। मूल रूप से श्रीनगर की रहने वाली और वर्तमान में बेंगलूरु में रह रहीं 78 वर्षीय रूपा ने कहा कि उन्होंने समुदाय के विस्थापन की पीड़ा के अंत और अपने जीवन के अंतिम वर्ष मातृभूमि में बिताने की प्रार्थना की। इसी तरह की भावनाएं दक्षिण कश्मीर के किलम गांव के मूल निवासी तथा वर्तमान में मुंबई में रह रहे प्रेमनाथ ने भी व्यक्त कीं। प्रेमनाथ ने कहा, ''हमने सामूहिक रूप से अपने समुदाय की सुरक्षित वातावरण में अपनी मातृभूमि में वापसी के लिए प्रार्थना की है।''

रेवंत रेड्डी ने रक्षा मंत्री से आदिलाबाद हवाई अड्डे पर एमआरओ केंद्र, कार्गो सुविधा की उठाई मांग

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर आदिलाबाद जिले में प्रस्तावित संयुक्त उपयोग वाले हवाई अड्डे पर कार्गो परिचालन, रखरखाव, मरम्मत, ओवरहॉल(एमओआर) केंद्र तथा हैंगर अवसंरचना स्थापित करने समेत बड़े पैमाने में नागरिक एवं वाणिज्यिक सुविधाएं विकसित करने का अनुरोध किया। यह हवाई अड्डा रक्षा मंत्रालय और नागर विमानन मंत्रालय की संयुक्त परियोजना के तहत विकसित किया जा रहा है तथा इसके वर्ष 2027 के अंत तक चालू होने की संभावना है। रेड्डी ने बैठक के दौरान कहा कि हाल के दिनों में पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रम के कारण वैश्विक विमानन कंपनियों की इस क्षेत्र में रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आदिलाबाद की रणनीतिक स्थिति इसे ऐसे विमानन एवं रखरखाव केंद्र के लिए उपयुक्त बनाती है। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से यह भी आग्रह किया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परियोजना को शीघ्र मंजूरी दी जाए। इसके लिए महबूबनगर जिले के देवराकदरा के पास एक स्थान चिन्हित किया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कूनो में 'चीता मित्रों' से की बातचीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्योपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में 'चीता मित्रों' से बातचीत कर दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले स्थलीय जीव चीते के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली।

एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति को चीता संरक्षण, उनके व्यवहार और चीतों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने 'प्रोजेक्ट चीता' में चीता मित्रों की स्वैच्छिक भूमिका की सराहना की। चीता मित्र विशेष रूप से प्रशिक्षित स्थानीय स्वयंसेवक हैं, जिनमें मुख्य रूप से सहरिया जनजाति के सदस्य शामिल हैं। वे कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दोबारा बसाए गए चीतों के संरक्षण और समुदाय के साथ समन्वय का कार्य करते हैं।

अधिकारी ने बताया कि स्वयंसेवकों ने राष्ट्रपति को बताया कि केएनपी से लगे सभी गांवों में चीता मित्र मौजूद हैं और वे लोगों को चीता संरक्षण तथा उनके व्यवहार के बारे में जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को यह भी समझाया जाता है कि चीते स्वाभाविक रूप से मनुष्यों को नुकसान नहीं पहुंचाते। यदि किसी आबादी वाले क्षेत्र या खेत में चीता दिखाई दे तो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग को तुरंत सूचना दी जानी चाहिए। अधिकारी ने कहा कि भारत में चीतों को दोबारा बसाने के लिए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर सिलोरी, हथेड़ी, सेसईपुरा, पालपुर, पारा, कराहल और मोरावन गांवों के चीता मित्र मौजूद थे। इस दौरान वन विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) शुभरंजन सेन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने रविवार को कूनो राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। उन्होंने चीता कमान एवं नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया और चीतों की निगरानी तथा ट्रैकिंग व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने 'प्रोजेक्ट चीता' की प्रगति को दर्शाने वाली प्रदर्शनी भी देखी। चीता मित्रों से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति हेलीकॉप्टर से ग्वालियर रवाना हुईं, जहां से वह भारतीय वायुसेना के विमान से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर गईं।

हरियाणा सरकार खाद की कमी की समस्या दूर नहीं कर रही है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी सरकार पर राज्य में खाद की कमी को दूर करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि धान की रोपाई और खरीफ की बुवाई के मौजूदा मौसम में किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राव ने एक बयान में कहा कि हरियाणा में किसान 'डीएपी' समेत खाद पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि कई ज़िलों में भंडार या तो खत्म हो गया है या मांग पूरी करने के लिए काफी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि लंबी लाइनों में इंतज़ार करने के बावजूद किसान खाली हाथ लौट रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि किसान इस बात को लेकर चिंतित हैं कि खाद की नई खेप कब आएगी, लेकिन न तो कृषि विभाग और न ही राज्य सरकार ने इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की अनदेखी के कारण किसान समुदाय को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राव ने सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि वह जमीन के रिकॉर्ड की जांच, बायोमेट्रिक प्रमाणन और डिजिटल निगरानी जैसी जटिल प्रक्रियाओं के ज़रिए आपूर्ति प्रणाली में कमी और नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता का कहना था कि इन उपायों से उन किसानों के लिए और मुश्किलें पैदा हो रही हैं जो सीमित मात्रा में उपलब्ध खाद हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने यातायात के कारण विद्यार्थियों को हुई परेशानी पर खेद जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने सोमवार को नीट (स्नातक) पुन: परीक्षा में शामिल होने वाले कुछ छात्रों को यातायात जाम की वजह से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में हुई परेशानी पर अफसोस जताया, वहीं उन्होंने प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए कहा कि बेंगलूरु के 'एक्ज़िट मास्टर' कांग्रेस पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। सूर्या ने एक दिन पहले नीट परीक्षा के दिन (21 जून) बेंगलूरु में कांग्रेस की बड़ी रैली आयोजित करने पर सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधा था जिस पर हरिप्रसाद की प्रतिक्रिया आई। सूर्या ने आरोप लगाया था कि रैली की वजह से भारी यातायात जाम हुआ और परीक्षा केंद्रों पर जा रहे छात्रों को परेशानी हुई।

हरिप्रसाद ने पत्रकारों से कहा, मैंने अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ऐसी खबरें देखी हैं कि कुछ छात्रों को परीक्षा में शामिल होने से पहले परेशानी का सामना करना पड़ा। अगर हमारे किसी भी बच्चे को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ा है, तो उनके साथ जो हुआ, उस पर मुझे गहरा अफ़सोस है। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी और मंगलूरु जैसी जगहों पर, जहां कांग्रेस का कोई कार्यक्रम नहीं था, हजारों छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए। खबरों का हवाला देते हुए हरिप्रसाद ने कहा कि बेंगलूरु में केवल तीन छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने आरोप लगाया, अगर हमारे किसी भी बच्चे को परेशानी हुई है, तो मेरी गहरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। लेकिन साथ ही, मैं भाजपा से यह सवाल पूछना चाहता हूं कि उसने इन छात्रों के लिए क्या किया है। दो बार नीट के प्रश्नपत्र लीक हुए। लगभग 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। कथित पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए हरिप्रसाद ने दावा किया कि वे इस मुद्दे पर अफ़सोस जताने और ज़िम्मेदारी लेने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, छात्रों के साथ जो हुआ उस पर प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक अफसोस नहीं जताया है और बेशर्म शिक्षा मंत्री ने इस्तीफ़ा नहीं दिया है। हरिप्रसाद ने कहा कि सभी जरूरी सावधानियां बरती गई थीं और इसीलिए यातायात की किसी भी परेशानी से बचने के लिए कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, हमने पुलिस और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की और यातायात नियंत्रित करने के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। उन्होंने कहा, किसी वजह से कुछ बच्चे समय पर नहीं पहुंच पाए। मुझे सही वजह नहीं पता, लेकिन हम यह पता लगाने के लिए कांग्रेस की एक टीम भेजेंगे कि उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अगर हम उनकी भरपाई के लिए कुछ कर सकते हैं, तो हम जरूर करेंगे। इस सवाल के जवाब में कि क्या नीट परीक्षा को देखते हुए कांग्रेस अपना कार्यक्रम किसी और तारीख पर रख सकती थी, हरिप्रसाद ने कहा, कोई बात नहीं। हमने सारी तैयारियां कर ली थीं।

शादी का दबाव डालने से परेशान युवती और उसके माता-पिता ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु में एक व्यक्ति ने 21 वर्षीय युवती पर कथित तौर पर विवाह करने का दबाव बनाया जिससे तंग आकर युवती और उसके माता-पिता ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रक्षिता, उसकी मां नागरत्ना (44) और पिता शिवन्ना (54) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि तीनों ने केम्पेनाहुंडी गांव में अपने घर में कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें मौत के लिए उल्लास गौड़ा नामक व्यक्ति को दोषी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक रक्षिता की किसी दूसरे व्यक्ति से सगाई हुई थी और 24 जून को उसकी शादी होनी थी। युवती ने सुसाइड नोट में लिखा है कि गौड़ा ने उसके समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा था लेकिन उसने माता-पिता की मौजूदगी में प्रस्ताव खारिज कर दिया था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सगाई होने के बावजूद गौड़ा रक्षिता से विवाह के लिए उसके माता-पिता पर दबाव डालता रहा। अधिकारी ने बताया कि 21 जून को युवती के माता-पिता ने गौड़ा को अपने घर बुलाकर चेतावनी दी। पुलिस ने कहा कि इसके बावजूद गौड़ा नहीं माना, जिससे तंग आकर रक्षिता और उसके माता-पिता ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

लाभांश

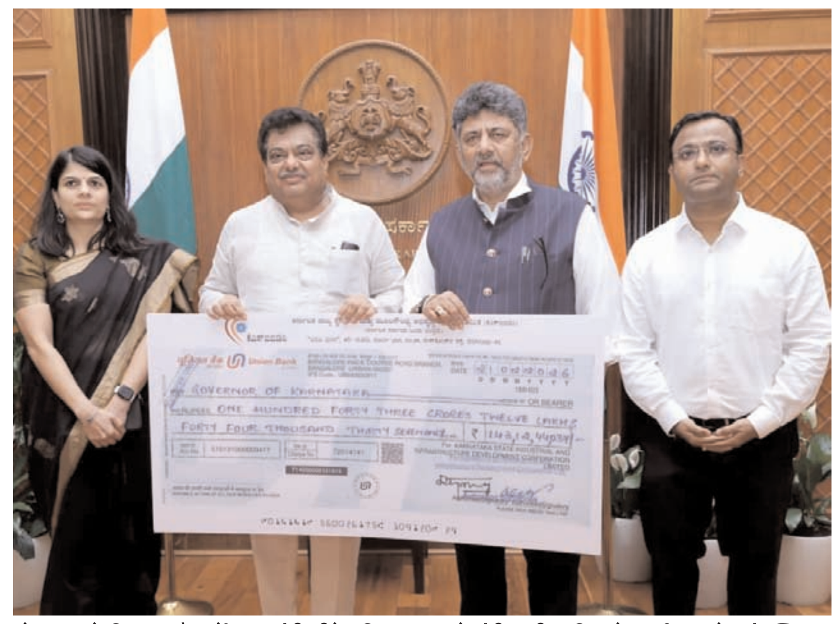

सोमवार को विधान सौधा में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मंत्रीएमबी पाटिल ने कर्नाटक स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से 143 करोड़ रुपये का लाभांश चेक दिया। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री रिलीफ फंड के लिए 3 करोड़ रुपये का चेक भी दिया।

एमएलसी चुनाव में क्रॉस-वोटिंग : कर्नाटक भाजपा प्रमुख, नेता प्रतिपक्ष दिल्ली में नवीन से मिलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने सोमवार को कहा कि वह और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा 23 जून को नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिलेंगे। दोनों नेता उन्हें राज्य में पिछले हफ्ते हुए विधान परिषद चुनावों के दौरान विधायकों की कथित क्रॉस-वोटिंग के बारे में जानकारी देंगे। विजयेंद्र ने मंदिर शहर धर्मस्थल में भाजपा विधायक दल की बैठक का प्रस्ताव रखा है और संकेत है कि विधायकों से क्रॉस-वोटिंग के बारे में सच बताने के लिए भगवान मंजूनाथ के सामने 'प्रमाण' (शपथ) लेने को कहा जा सकता है। अशोक ने कहा कि पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए पवित्र स्थान का उपयोग न करने की सलाह दी थी।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने संवाददाताओं को बताया, हमने चार दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलने का समय मांगा था और उन्होंने हमें कल दोपहर का समय दिया है। विजयेन्द्र और मैं उन्हें विधान परिषद चुनावों के दौरान पार्टी विधायकों की क्रॉस-वोटिंग के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने कहा, हमारे दोनों उम्मीदवार जीत गए। हालांकि, क्रॉस-वोटिंग से साफ पता चलता है कि कुछ विधायकों ने भाजपा के साथ धोखा किया। हमें यह पता लगाना होगा कि वे कौन हैं। इस मामले की जांच के लिए एक समिति बनाई गई है और उम्मीद है कि वह आज या कल तक अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।

हम यह रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेज देंगे। जब उनसे पूछा गया कि वह और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को क्या बताएंगे, तो अशोक ने कहा, हम उन्हें बताएंगे कि क्या हुआ और क्रॉस-वोटिंग कैसे हुई। पार्टी आलाकमान के नाराज होने और उन्हें तलब करने की बात को नकारते हुए उन्होंने कहा, ऐसा कुछ नहीं है। हमने मुलाकात का समय मांगा था; उन्होंने हमें नहीं बुलाया था। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। राज्य में कई बार क्रॉस-वोटिंग हुई है।

बृहस्पतिवार को हुए विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस ने सात में से पांच सीटें जीतीं, जबकि विपक्षी भाजपा को दो सीटें मिलीं। जद (एस) ने एक सीट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे नाकामी मिली। सूत्रों के मुताबिक, नतीजों से पता चला कि भाजपा और जद (एस) के विधायकों ने कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की, क्योंकि सत्ताधारी पार्टी को कुल 151 मत मिले - जो उम्मीद (140) से 11 ज़्यादा थे। जब पूछा गया कि क्या पार्टी ने क्रॉस-वोटिंग के लिए ज़िम्मेदार लोगों की पहचान कर ली है, तो अशोक ने कहा कि शक तो है, लेकिन कोई पक्की जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा, सब कुछ सामने आ जाएगा। क्या आपको लगता है कि जिन लोगों ने क्रॉस-वोटिंग की, उन्होंने ऐसा मुफ़्त में किया? कुछ लोग दावा करते हैं कि यह विकास के हित में किया गया था। लेकिन इसमें पैसे का लेन-देन शामिल है। यह और कुछ नहीं बल्कि खरीद-फरोख्त है, भले ही इसे विकास के तौर पर पेश किया जा रहा हो। किसका विकास? चुनाव क्षेत्र का नहीं, अपना निजी विकास। उन्होंने कहा कि क्रॉस-वोटिंग में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रावती नदी के किनारे स्थित धर्मस्थल का इतिहास 800 साल पुराना है। मान्यता है कि जो कोई भी भगवान मंजुनाथ के सामने झूठ बोलता है, उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

भाजपा का सत्तारूढ़ दल पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन खबरों को लेकर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है जिनमें आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस की रैली के कारण यातायात बाधित होने से कई अभ्यर्थी बेंगलूरु में आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में शामिल नहीं हो सके। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए राजनीति विद्यार्थियों के हित से ऊपर है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पत्रकारों से कहा, एक तरफ परीक्षा से ठीक 72 घंटे पहले राहुल गांधी कोटा में नाटक और ध्यान भटकाने वाली हरकतें कर रहे थे।

दूसरी तरफ, उनकी अपनी सरकार रैली का समय बदलने को भी तैयार नहीं थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नीट परीक्षा देने वाले किसी भी छात्र को कोई परेशानी न हो। मीडिया की खबरों के मुताबिक, रविवार को बेंगलूरु में कांग्रेस की रैली के कारण हुए कथित यातायात जाम की वजह से नीट-यूजी के कई उम्मीदवार परीक्षा देने के लिए अपने परीक्षा केंद्रों तक नहीं पहुंच सके। मीडिया की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए त्रिवेदी ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है कि रविवार को बेंगलूरु में कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद की रैली के कारण कई उम्मीदवार नीट-यूजी में शामिल नहीं हो पाए। इसे परेशान करने वाला और 'निराशाजनक' बताते हुए भाजपा नेता ने कहा कि इससे साफ है कि कांग्रेस के लिए राजनीति छात्रों के हितों से ऊपर है।

मुलाकात

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार सोमवार को बेंगलूरु में उच्च शिक्षा विभाग और ब्रिटिश काउंसिल की संयुक्त पहल 'स्काउट-2.0' के दौरान छात्रों से बातचीत करते हुए।

हत्या मामले का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार : पुलिस

विजयपुर। कर्नाटक के विजयपुर में हत्या के एक मामले में वांछित एक आरोपी ने सोमवार को पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया, चाकू दिखाकर धमकाया और भागने की कोशिश की जिस पर पुलिस को उसके पैर में गोली मारनी पड़ी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कथित तौर पर भागने की कोशिश की, पुलिस दल पर पथराव किया और चाकू दिखाकर अधिकारियों को धमकाया। पुलिस ने आरोपी की पहचान महेश तलवार के रूप में की है, जो विजयपुर जिले के गोविंदपुर गांव में 29 मई को एक भूमि विवाद को लेकर छह लोगों की हत्या के मामले के संदिग्धों में शामिल है।

पुलिस ने बताया कि बाद में महेश को गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चडचन थाने में दर्ज हत्या के मामले के संबंध में पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबार्गी ने बताया कि जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है और अब तक 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

शिवकुमार की 'विनाशकारी विरासत' से मंत्री बना रहे हैं दूरी : भाजपा नेता आर अशोक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ग्रेटर बेंगलूरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा द्वारा शहर की समस्याओं को लेकर बार-बार विरासत में मिली दिक्कतों और व्यवस्था की विफलताओं' का उल्लेख किये जाने पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने सोमवार को आरोप लगाया कि गौड़ा अपने पूर्ववर्ती डी के शिवकुमार की विनाशकारी विरासत से दूरी बनाकर पहले से ही अपने बचाव की तैयारी कर रहे हैं। अशोक ने यह भी दावा किया कि ग्रेटर बेंगलूरु विकास विभाग और उससे जुड़े विभागों को लेकर शिवकुमार एवं गौड़ा के बीच मतभेद हैं।

कर्नाटक की पिछली सिद्दरामय्या सरकार में शिवकुमार बेंगलूरु विकास विभाग के प्रभारी थे। अशोक ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कृष्णा बायरे गौड़ा बनाम डी के शिवकुमार: कांग्रेस का बेंगलूरु गृहयुद्ध अब खुलकर सामने आ गया है। अनिच्छा से बेंगलूरु विकास विभाग का कार्यभार संभालने के बाद से गौड़ा लगातार अपने पूर्ववर्ती डी के शिवकुमार की छोड़ी हुई विरासत से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके हर बयान और साक्षात्कार से यही संदेश मिल रहा है कि बेंगलूरु पहले से ही बदहाल था, इसके लिए उन्हें दोष न दिया जाए। उन्होंने कहा कि गौड़ा की टिप्पणियां वास्तव में पिछली बेंगलूरु प्रशासन व्यवस्था पर सरेआम ठीकरा फोड़ने के समान हैं। अशोक ने कहा, जब कोई मंत्री यह कहते हैं कि शहर की सबसे बड़ी समस्या कमजोर प्रशासन, नियमों के पालन में कमी, अवैध लेआउट और चरमराती प्रशासनिक व्यवस्था है, तो वह विपक्ष पर हमलावर नहीं, बल्कि पिछले तीन वर्षों में शहर का नेतृत्व करने वाले प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं।

कृष्णा बायरे गौड़ा ने शहर से जुड़े प्रमुख विभागों का पूर्ण आवंटन नहीं होने का हवाला देते हुए ग्रेटर बेंगलूरु विकास विभाग का कार्यभार संभालने में देरी की थी। वह इस बात से असंतुष्ट थे कि मुख्यमंत्री ने बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) और बेंगलूरु महानगरीय क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीएमआरडीए) जैसे प्रभावशाली निकायों को अपने नियंत्रण में रखा है। वर्तमान में गौड़ा के पास ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए), इसके अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगमों, बेंगलूरु जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) तथा बेंगलूरु मेट्रो की जिम्मेदारी है।

अंतरविषयक अनुसंधान स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देगा : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागमंगला। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में बढ़ती जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए अंत:विषयक सहयोग और अनुवांशिक अनुसंधान आवश्यक हैं, और स्वास्थ्य विज्ञान का भविष्य विविध विषयों से ज्ञान और प्रौद्योगिकियों के एकीकरण में निहित है। उन्होंने नागमंगला स्थित बीजीएस सभागार में आदिचुनचनगिरी विश्वविद्यालय और आदिचुनचनगिरी इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन (एआईएमएम) द्वारा आयोजित अनुवादात्मक अनुसंधान के लिए स्वास्थ्य विज्ञान में अंत:विषयक दृष्टिकोण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस अवसर पर जगद्गुरु श्री श्री डॉ. निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी उपस्थित थे। श्री आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के ऐतिहासिक और सामाजिक योगदानों को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि लगभग 1,800 वर्षों की विरासत वाले इस संस्थान ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक समानता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान की हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण में उनके अपार योगदान के लिए 71वें पीठाधिपति परमपूज्य डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने जगद्गुरु डॉ. निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी के दूरदर्शी नेतृत्व की भी सराहना की, जिनके मार्गदर्शन में संस्थान ने उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

वर्तमान युग में कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग, संक्रामक रोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकारों सहित बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि इन समस्याओं का समाधान किसी एक विषय के माध्यम से नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रभावी समाधान के लिए चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैवसूचना विज्ञान, जन स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग के विशेषज्ञों के बीच सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और बिग डेटा एनालिटिक्स प्रारंभिक निदान, दवा खोज और रोग पूर्वानुमान में प्रगति को सक्षम बनाकर स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, जैव प्रौद्योगिकीविदों, सांख्यिकीविदों और नीति निर्माताओं के सामूहिक प्रयासों से टीकों का तेजी से विकास अंत:विषयक अनुसंधान की सफलता का एक सशक्त उदाहरण है।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने में स्वास्थ्य अनुसंधान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और उन्होंने यह भी कहा कि बहुविषयक और अंत:विषयक शिक्षा पर जोर देने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसंधान और नवाचार के लिए नए रास्ते खोल रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और विभिन्न विश्वविद्यालय जैसे संस्थान जीनोमिक्स, स्टेम सेल अनुसंधान, नैनोमेडिसिन, टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

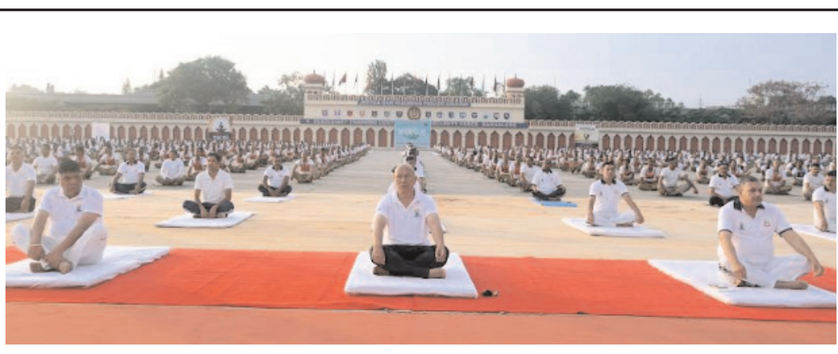

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बेंगलूरु एयरपोर्ट रोड स्थित एसटीसी बीएसएफ ने 21 जून को 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' विषय के तहत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। यहां जीवन राम काशवान परेड ग्राउंड में कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। मुख्य योग संगम कार्यक्रम में 910 अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कमांड मुख्यालय (विशेष अभियान) के एडीजी आईपीएस त्सेवांग नामग्याल, एसटीसी बीएसएफ बेंगलूरु के आईजी आईपीएस डीके यादव और फायर हेड क्वार्टर ओडिया के आईजी शिवअधर श्रीवास्तव ने सत्र में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बेंगलूरु स्थित ईशा फाउंडेशन के श्री अंकित ने किया।

रेल पहिया कारखाना
यलहंका, बेंगलूरु - 560 064.
वेबसाईट: rwf.indianrailways.gov.in
ई-निविदा सूचना सं. आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/आरटीएस/2026-27/16 दि. 17.06.2026
ई-निविदा: भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य मेकानिकल इंजीनियर निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाईट http://www.ireps. gov.in (Works) के माध्यम से ऑन लाइन इलेक्ट्रॉनिक निविदा आमंत्रित करते है।
निविदा सं: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/आरटीएस/2026-27/16 दि. 17.06.2026. कार्य का नाम: मे. आरटी शाप में 3-टन फोर्कलिफ्टों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)। अनुमानित लागत: रु. 1,33,77,824.64. ईएमडी: रु. 2,67,600.00 समापन की अवधि: 24 महिने। निविदा का अंतिम तारीख: 09.07.2026,10:30 बजे.
इस निविदा को www.rwf.indianrailways.gov.in पर देख सकता है।
उप सीएमई/एएम

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/35 दिनांक: 16.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1) मैसूरु पर एलएचबी/आईसीएफ कोच रखरखाव सुविधाओं का वृद्धीकरण। 2) अशोकपुरम: अशोकपुरम स्टेशन पर सी व डब्ल्यू गतिविधियों के लिए सर्वीस कमरों का निर्माण कार्य - विद्युत की व्यवस्था।	रु. 14,47,966.78

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 07.06.2026, 11:00 बजे तक
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/36 दिनांक: 17.07.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
कबकापुत्तूर: कबकापुत्तूर रेलवे स्टेशन पर पीएफ नं. 1 पर पूर्ण लंबाई दूर के लिए प्लैटफॉर्म शेल्टर (आईआरएस) का प्रावधान।	रु. 31,68,783.44

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 08.07.2026, 11:00 बजे तक
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/37 दिनांक: 17.06.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
15 इंटरलॉक्ड एलसी गेटों के लिए आरटीयू, 22 एलसी गेटों पर इंटिग्रेटेड पॉवर सप्लाई की प्रावधान - विद्युत की व्यवस्था।	रु. 15,54,938.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 08.07.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सामान्य/मैसूरु
PUB/232/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

विकसित भारत के संकल्प में अग्रणी भूमिका निभा रहा राजस्थान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में राजस्थान अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार जिला आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान, स्थानीय संसाधनों और आर्थिक संभावनाओं को केंद्र में रखकर विकास की नई अवधारणा विकसित की जा रही है, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके।

प्रो. के.वी. राजू ने राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान अचीवर्स श्रेणी का प्रदेश है और यहां पेयजल, ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन, कृषि, खनन और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में असीम संभावनाएं है। उच्च तकनीक आधारित डेटाबेस तैयार कर इन क्षेत्रों को जीएसडीपी में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग के साथ क्षमता संवर्धन करने एवं असंगठित क्षेत्र में सर्वे हेतु सैंपल साइज बढ़ाने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर के. वी. राजू की उपस्थिति में जिला घरेलू उत्पाद अनुमान विषय पर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की उद्योग, निवेश और सुशासन आधारित नीतियों के कारण बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हो रहा है। प्रदेश का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेजी से विकसित हो रहा है तथा वर्तमान में 6 हजार से अधिक सक्रिय स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार और नवाचार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण पर गंभीरता से कार्य कर रही है। इससे चूरू के हस्तशिल्प उद्योग, भरतपुर के सरसों आधारित छोटे उद्यम तथा बांसवाड़ा एवं उदयपुर के आदिवासी क्षेत्रों में निर्मित पारंपरिक जनजातीय उत्पादों जैसे असंगठित क्षेत्र में कार्यरत उद्यमों को संगठित अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने का अवसर मिल रहा है। साथ ही, उनकी आर्थिक गतिविधियों का योगदान राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में भी परिलक्षित हो रहा है। इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता कार्यक्रमों का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। राजस्थान में पंच गौरव के अंतर्गत जिला आधारित उपज, उत्पाद, वनस्पति, खेल व पर्यटन में नवाचार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों से लेकर गांव और वार्ड स्तर तक संतुलित एवं नियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत आमजन के सुझावों और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर वर्ष 2030, 2035 और 2047 को ध्यान में रखते हुए विकास का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल विजन को साकार करते हुए प्रदेश में भौगोलिक परिस्थितियों, सांस्कृतिक विशेषताओं, स्थानीय आवश्यकताओं एवं संभावनाओं के आधार पर आकांक्षी उपखण्डों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत प्रमुख फसल, उत्पाद एवं उत्पादन को चिन्हित कर प्रसंस्करण, भंडारण एवं विपणन की प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी उपखण्डों को प्रोत्साहित कर लघु, कुटीर एवं पारंपरिक उद्योगों को मजबूत आधार प्रदान किया जा रहा है, जिससे रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति के सही मूल्यांकन के लिए सुदृढ़ जिला सकल उत्पाद प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में सरकार कृषि, पशुधन, डेयरी, सहकारिता, खनन तथा अन्य प्राथमिक क्षेत्रों में डेटा आधारित विकास मॉडल विकसित कर रही है। जिला स्तर पर विकास की सटीक निगरानी और मूल्यांकन के लिए डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडक्ट पोर्टल भी विकसित किया जाएगा। यह पोर्टल विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से संबंधित आंकड़ों का वैज्ञानिक संकलन और विश्लेषण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान आज देश के अग्रणी अक्षय ऊर्जा उत्पादक राज्यों में शामिल है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे निवेश और नवाचार राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के साथ सतत विकास के लक्ष्य को भी मजबूत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जिला आधारित विकास, डेटा आधारित नीति निर्माण, स्थानीय उद्यमों के सशक्तीकरण, नवाचार, निवेश संवर्धन तथा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के बल पर राजस्थान विकसित राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कोटा और बीकानेर के बाद, जोधपुर में आठ महिलाओं को सर्जरी से प्रसव के पश्चात गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के जिला अस्पताल में ऑपरेशन से प्रसव के बाद आठ महिलाओं को गुर्दा फेल होने समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गईं। राजस्थान में इससे पहले भी इस तरह का मामला सामने आ चुका है। महिलाओं ने सर्जरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव और निम्न रक्तचाप की शिकायत की।

इनमें से दो महिलाओं को गंभीर गुर्दा संक्रमण हो गया, जिसके बाद उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल रेफर किया गया। वहां उनका उपचार गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जांच के लिए ओटी से नमूने एकत्र किए गए हैं, और रिपोर्ट आने तक सभी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं स्थगित कर दी गई हैं।

इससे पहले भी इसी तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें सर्जरी से प्रसव के बाद उत्पन्न जटिलताओं के कारण कोटा में चार महिलाओं और बीकानेर में दो महिलाओं की मौत हो गई थी। दिल्ली एम्स तथा अन्य केंद्रीय चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों की एक टीम का गठन कर कोटा में हुई मौतों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बीकानेर की घटना में भी जांच शुरू की गई थी। एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य बी एस जोधा ने बताया कि शनिवार को सर्जरी से आठ प्रसव कराए गए।

उन्होंने बताया कि जब दो महिलाओं की हालत बिगड़ी, तो उन्हें एमडीएम अस्पताल भेजा गया, जबकि शेष छह महिलाओं का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक महिला को अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जबकि दूसरी जो मधुमेह से पीड़ित है उसे निम्न रक्तचाप और रक्ताल्पता हो गई। उनके अनुसार, ऐसी स्थितियां गुर्दों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। जिला अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी कुलबीर चोपड़ा ने बताया कि जिला अस्पताल में भर्ती छह महिलाओं की स्थिति फिलहाल स्थिर है। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि रिपोर्ट मिलने तक ऑपरेशन नहीं किए जाएंगे।

प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के मामले में गहलोत ने जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में सर्जरी से प्रसव के बाद आठ महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के मामले पर सोमवार को गहरी चिंता व्यक्त की। गहलोत ने कहा कि सर्जरी के बाद महिलाओं में सेप्टीसीमिया और गुर्दे संबंधी जटिलताएं विकसित होने की खबरें अत्यंत चिंताजनक हैं, यह चिकित्सा मानकों में भारी गिरावट और गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''कोटा और

बीकानेर के बाद अब जोधपुर से आठ महिलाओं की हालत बिगड़ने की खबरें बेहद चिंताजनक हैं।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि एक तरफ शहर में सरकारी आयोजन और वीआईपी दौरों की चमक बिखेरी जा रही थी, वहीं दूसरी तरफ माताओं-बहनों की जिंदगी खतरे में थी और प्रशासन सच्चाई छिपाने में लगा रहा।

गहलोत ने कहा कि सेप्टीसीमिया और किडनी फेल होने जैसी जटिलताएं स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करती हैं। उन्होंने बताया कि वे जोधपुर जाकर प्रभावित मरीजों और उनके परिजन से मुलाकात करेंगे। जोधपुर के जिला अस्पताल में ऑपरेशन से प्रसव के बाद आठ महिलाओं को कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गईं। महिलाओं ने सर्जरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव और निम्न रक्तचाप की शिकायत की। इनमें से दो महिलाओं को गंभीर गुर्दा संक्रमण हो गया, जिसके बाद उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल रेफर किया गया। वहां उनका उपचार गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में किया जा रहा है।

भारत सरकार के सचिव ने पीएम विद्यालयों का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर होने पर सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित पीएम एवं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (एमएसआरए) की एक समीक्षा बैठक में राज्य में शिक्षा विभाग के 11 विद्यालयों को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त पर एसीएस, एजुकेशन राजेश यादव समेत अन्य विभागीय अधिकारियों, शिक्षकों और सभी स्टेकहोल्डर्स को बधाई दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 के लिए देशभर में राजस्थान को तीसरा स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2025 के तहत राजकीय विद्यालयों की कक्षा 3, 6 एवं कक्षा 9 में भाषायी एवं गणितीय ज्ञान में राज्य का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहने पर भारत सरकार के सचिव ने सराहना की है। एनएएस में राजस्थान तीनों ग्रेड कैटेगरी (ग्रेड 3, 6 और 9) में टॉप 10 राज्यों में शामिल है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली - 2026 पर नीति आयोग की 11वीं शासी बैठक में बेसिक सुविधाओं और स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर के अपग्रेडेशन, निपुण भारत मिशन के तहत फाउंडेशनल लिटरेसी और न्यूमरेसी में हुई प्रोग्रेस, और स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क (ड्ट--त्र) के तहत स्कूल बोर्ड को मज़बूत करने एवं गुणवत्ता की पहल पर ज़ोर दिया गया। उन्होंने स्टूडेंट्स और टीचर्स दोनों के लिए अपार आईडी की 100 प्रतिशत पहुंच पूरी करने, स्टेट ओपन स्कूल्स के तहत कवरेज बढ़ाने, और टीचर्स के लगातार प्रोफेशनल डेवलपमेंट इत्यादी निर्णय को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने बताया कि नीति आयोग की भारत में स्कूल शिक्षा प्रणाली पर रिपोर्ट - 2026 में मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (एमएसआरए) को राज्य की सर्वश्रेष्ठ बेस्ट प्रैक्टिस में से एक माना है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने पीएम विद्यालयों से संबंधित जानकारी एवं उपलब्धियों को दर्शाने वाले लीफलेट का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने पीएम विद्यालयों की अवधारणा एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षण व्यवस्था की सराहना की।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संचालित एफएलएन, निपुण राजस्थान एवं प्रखर राजस्थान 2.0 के सकारात्मक परिणामों की सराहना की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक विद्यालयों का नियमित भ्रमण कर जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने विशेष रूप से पीएम विद्यालयों में बालिका शौचालयों की उपलब्धता, लर्निंग एवं क्वालिटी आउटकम्स पर जोर देते हुए कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित एवं समावेशी वातावरण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर कम करने, स्मार्ट क्लास एवं पुस्तकालय सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में विद्या समीक्षा केंद्र (तड्ध) की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में स्कूल शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने पीएम एवं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 649 पीएम विद्यालय संचालित हैं, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के मॉडल के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है तथा नव निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी प्रगति पर हैं।

उन्होंने यह बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप राज्य के अन्य राजकीय विद्यालयों में भी शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है।

उदयपुर में री-नीट परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही : समय से 15 मिनट पहले ही छीन लिया पेपर, परेशान छात्रा ने कलेक्टर-एसपी से लगाई गुहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। देश भर में चर्चा का विषय बनी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' के तहत उदयपुर में आयोजित हुई री-नीट (दोबारा परीक्षा) के दौरान एक परीक्षा केंद्र पर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक केंद्र पर वीक्षक (इन्विजिलेटर) ने निर्धारित समय से 15 मिनट पहले ही परीक्षार्थी से ओएमआर शीट और पेपर वापस ले लिया। इस बड़ी चूक के कारण छात्रा अपनी ओएमआर शीट पूरी नहीं भर सकी। पीड़ित परीक्षार्थी रिया पारीख ने सोमवार को स्वयं जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के समक्ष उपस्थित होकर एक लिखित पत्र के माध्यम से अपनी आपबीती और पीड़ा साझा की है। मीरा गर्ल्स कॉलेज के कमरा नंबर 134 का मामला परीक्षार्थी रिया पारीख ने प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपे पत्र में बताया कि री-नीट परीक्षा के लिए उनका परीक्षा केंद्र उदयपुर शहर का मीरा गर्ल्स कॉलेज था।

परीक्षा के दौरान वे कमरा नंबर 134 में बैठी थीं। वहां तैनात इन्विजिलेटर ने परीक्षा शुरू होने के ठीक 3 घंटे बाद ही उनसे पेपर और ओएमआर शीट जबरन वापस ले ली। छात्रा का कहना है कि वीक्षक की इस जल्दबाजी और नियमों की अज्ञानता के कारण उनके बेहद महत्वपूर्ण 15 मिनट छीन लिए गए,

जिससे उनकी ओएमआर शीट अधूरी रह गई और उनका पूरा साल खराब होने की कगार पर पहुंच गया है। डिप्रेशन के मद्देनजर दिया गया था 15 मिनट का अतिरिक्त समय

गौरतलब है कि सामान्य तौर पर नीट परीक्षा के लिए कुल 3 घंटे का समय निर्धारित होता है। लेकिन इस बार पेपर लीक और अन्य विवादों के बाद जिन परीक्षार्थियों की दोबारा (री-नीट) परीक्षा आयोजित की गई थी, उनके मानसिक तनाव और डिप्रेशन को ध्यान में रखते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी व प्रशासन ने इस बार 15 मिनट का अतिरिक्त समय देने का फैसला किया था। नियमों के मुताबिक इस बार परीक्षार्थियों को पूरा पेपर हल करने के लिए 3 घंटे 15 मिनट का समय मिलना था। उदयपुर के परीक्षा केंद्र पर हुई इस प्रशासनिक चूक के बाद अब पीड़ित छात्रा ने न्याय और उचित कार्रवाई की मांग की है।

नीट पुनर्परीक्षा में नकल के आरोप में गिरफ्तार छात्रा को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रविवार को दोबारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) में जयपुर के एक केंद्र में कथित तौर पर मोबाइल फोन से नकल करते पकड़ी गई 22 वर्षीय छात्रा को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि छात्रा की पहचान प्रेम नगर, गुर्जर की थड़ी निवासी हिमांशी तिवाड़ी के रूप में हुई है। उसे रविवार को परीक्षा केंद्र पर पकड़े जाने के बाद सोमवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

घटना बिंदायका क्षेत्र के एक परीक्षा केंद्र की है, जहां छात्रा को परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग करते पाया गया। पर्यवेक्षकों को उसकी गतिविधियों पर संदेह हुआ और तलाशी लेने पर मोबाइल फोन उसके कपड़ों के भीतर छिपा हुआ मिला। पुलिस पूछताछ में छात्रा ने बताया कि वह परीक्षा के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से सवालों के जवाब खोजने के लिए मोबाइल लेकर आई थी।

अधिकारियों ने बताया कि मोबाइल फोन जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। परीक्षा समाप्त होने से करीब 15 मिनट पहले छात्रा के पास मिले मोबाइल में नीट के प्रश्नपत्र की तस्वीरें भी मिली हैं। परीक्षा केंद्र के आस-पास जैमर सक्रिय होने के कारण वह तस्वीरें और अन्य जानकारी बाहर नहीं भेज सकी। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि प्रवेश के समय मेटल डिटेक्टर ने दो बार अलर्ट दिया था, लेकिन छात्रा ने सुरक्षाकर्मियों को गुमराह कर दिया और उसे प्रवेश मिल गया।

अधिकारी परीक्षा केंद्र के अधीक्षक और परीक्षा पर्यवेक्षकों से भी पूछताछ कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि सुरक्षा जांच के बावजूद मोबाइल फोन अंदर कैसे ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि आगे की कार्रवाई फॉरेंसिक रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। यदि कदाचार साबित होता है तो छात्रा को संबंधित प्रावधानों के तहत पांच साल तक की सजा और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

लेह-लद्दाख यात्रा सनातन, आध्यात्म व राष्ट्रवाद का अदभुत संगम : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी प्रथम सिंधु कुम्भ में शामिल होने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर लेह-लद्दाख जायेंगे। जहां वे सिंधु घाट पर सिंधु नदी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश व देश की खुशहाली की कामना करेंगे। देवनानी बुधवार, 24 जून को लेह-लद्दाख में आयोजित सिंधु दर्शन यात्रा कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। प्रथम सिंधु कुम्भ 22 से 27 जून तक लेह-लद्दाख में हो रहा है। सिंधु दर्शन यात्रा के 30वें वर्ष को प्रथम सिंधु कुम्भ के रूप में मनाया जा रहा है। लेह-लद्दाख में इस पांच दिवसीय कुम्भ में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों के साथ-साथ सिंधु स्नान, बहराणा साहिब व प्रकृति का अनुपम सौन्दर्य देखा जा सकता है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्पीकर देवनानी 24 जून को प्रातः दिल्ली से वायुयान द्वारा रवाना होकर लेह पहुंचेंगे। जहां वे सिंधु घाट पर सिंधु नदी की पूजा करेंगे। लेह में आयोजित सिंधु दर्शन यात्रा कार्यक्रम में भी देवनानी सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत वे सिंधु दर्शन, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

देवनानी ने कहा कि लेह- लद्दाख यात्रा सनातन, आध्यात्म और राष्ट्रवाद का अदभुत संगम है। यह सिंधु नदी की उत्पत्ति, प्राचीन बौद्ध संस्कृति और हिमालय के दुर्गम वातावरण में आत्म शांति का समागम है। सिंधु नदी, वही पवित्र नदी है, जहां के तट पर वेदों की रचना हुई और सनातन संस्कृति विकसित हुई।

शादी समारोह में जा रहे दंपती को ट्रेलर ने कुचला, पत्नी की मौके पर ही मौत

दौसा/दक्षिण भारत। दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर सैंथल रोड स्थित मालगवास मोड़ के पास सोमवार को एक बेहद दुखद सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे दंपती की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर गिरी महिला को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया है। सदर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अलवर जिले के किशनगढ़ बास निवासी मुन्नालाल भोपा अपनी पत्नी रामकली (48 वर्ष) के साथ बाइक पर सवार होकर लालसोट में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वे दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर मालगवास मोड़ के पास पहुंचे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर मची चीख-पुकार: टक्कर लगते ही दंपती बाइक समेत सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रेलर का पहिया महिला के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

अस्पताल में मची अफ़रातफ़री: हादसे की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल मुन्नालाल को तुरंत इलाज के लिए दौसा जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया।

इस दिल दहला देने वाले हादसे की एक दर्दनाक बात यह भी रही कि दंपती का बेटा दौसा में ही रहकर काम करता है।

जैश-ए-मोहम्मद के सदस्यों से संपर्क रखने के आरोप में एक महिला गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने

पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सदस्यों से संपर्क रखने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार महिला की पहचान बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के रूप में हुई है। मूल रूप से गंगापुर की रहने वाली महिला वर्तमान में जयपुर में रह रही थी। खुफिया जानकारी मिलने के बाद रविवार को उसे हिरासत में लिया गया। अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। प्रारंभिक जांच में उसके मोबाइल फोन से दो सिम कार्ड और एक फेसबुक अकाउंट मिला, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री और विदेशी प्रोफाइल से जुड़े लिंक पाए गए। महिला की फ्रेंड लिस्ट में कई प्रोफाइल ऐसे थे जिनमें जैश-ए-मोहम्मद और अन्य उग्रवादी संगठनों से संबंधित झंडे और हथियारबंद आतंकियों जैसी तस्वीरें थीं। पुलिस ने बताया कि उसके वाट्सऐप पर कई पाकिस्तानी नंबरों और विदेशी संपर्कों से बातचीत के प्रमाण मिले हैं। सूत्रों के अनुसार महिला ने खुलासा किया कि पाकिस्तान स्थित एक मौलवी ने फोन पर उसका धर्म परिवर्तन कराया था और उसे पाकिस्तान बुलाए जाने की योजना थी। इन तथ्यों के आधार पर एटीएस ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया।

पश्चिम बंगाल का बजट

कल्याणकारी मॉडल कायम रखने के साथ विकास, रोजगार पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में चुनावी जीत के छह सप्ताह बाद भाजपा सरकार ने सोमवार को अपना पहला बजट पेश किया। यह बजट सिर्फ सरकारी आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं था, बल्कि इसके जरिए सरकार ने एक व्यापक राजनीतिक संदेश देने का भी प्रयास किया।

सत्ता संभालने के 44 दिन बाद पेश इस बजट के जरिए सरकार ने राज्य के लिए नई राजनीतिक और आर्थिक दिशा की रूपरेखा पेश करने की कोशिश की, जिसे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए सबसे कठिन वैचारिक चुनौती वाला क्षेत्र माना जाता रहा। वर्ष 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपए के बजट में बंगाल की व्यापक कल्याणकारी व्यवस्था को बरकरार रखने का प्रयास किया गया है। साथ ही, इसमें ऐसा कदम उठाने की कोशिश की गई है, जिसे राज्य में किसी सरकार ने वर्षों से गंभीरता से नहीं अपनाया था-यानी विकास, निवेश, रोजगार और प्रशासनिक सुधारों को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में लाना।

फरवरी में पेश तृणमूल कांग्रेस सरकार के अंतरिम बजट में नकद सहायता, सामाजिक कल्याण योजनाओं और लक्षित सब्सिडी पर आधारित कल्याणकारी मॉडल पर जोर था, वहीं भाजपा का पहला पूर्ण बजट उस ढांचे को समाप्त किए बिना उसे नए सिरे से आकार देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक क्षेत्र पर खर्च जारी रखा गया है, लेकिन अब जोर केवल लाभों के विस्तार पर नहीं, बल्कि कल्याण, रोजगार सृजन और आर्थिक पुनरुत्थान के संतुलित मेल पर है। वर्ष 2026-27 के लिए कुल व्यय 4.38 लाख करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है, जो फरवरी में टीएमसी सरकार द्वारा प्रस्तावित 4.06 लाख करोड़ रुपए के बजट से लगभग आठ प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है, जब भाजपा का कहना है कि उसे पिछली सरकार से 8.15 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बोझ विरासत में मिला है। बजट अनुमान के अनुसार, 2026-27 में राजस्व घाटा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 1.02 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2025-26 के संशोधित अनुमान 2.07 प्रतिशत से काफी कम है। वहीं, राजकोषीय घाटा 2.91 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 3.40 प्रतिशत से कम है। इसके अलावा, राज्य का कुल कर्ज भी मामूली रूप से घटकर जीएसडीपी के 37.98 प्रतिशत पर आने का अनुमान है, जबकि पहले यह 38.29 प्रतिशत था। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग बजट में सबसे अधिक धनराशि प्राप्त करने वाला क्षेत्र बनकर उभरा है। इसके लिए 52,308 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो फरवरी में आवंटित 42,113 करोड़ रुपए की तुलना में काफी अधिक है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 51,836 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जबकि पहले यह राशि 46,293 करोड़ रुपए थी। वहीं, स्कूल शिक्षा विभाग का आवंटन बढ़ाकर 44,948 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो पहले 41,234 करोड़ रुपए था।

सीतापुर के टाउन हॉल कॉम्प्लेक्स में बना सपा का जिला कार्यालय ध्वस्त, प्रशासन ने बताया था अवैध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतापुर (उप्र)/भाषा। सीतापुर जिला प्रशासन ने सोमवार सुबह टाउन हॉल कॉम्प्लेक्स में स्थित सपा के जिला कार्यालय को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

भारी पुलिस बल व प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पांच बुलडोजरों से तीन हजार वर्ग फुट में बनी पूरी इमारत को मलबे में बदल दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, सपा का कार्यालय सरकारी जमीन पर बना था। इस कीमती जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए लंबे समय से कानूनी प्रक्रिया चल रही थी। प्रशासन की ओर से कार्यालय खाली करने के लिए लगातार नोटिस दिए गए थे। जिलाधिकारी राजा गणपति आर ने छह जून को सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव को 15 दिन में कार्यालय खाली करने का आदेश दिया था। नोटिस अवधि पूरी होने और प्रशासनिक दबाव के बाद सपा पदाधिकारियों ने दो दिन पहले ही कार्यालय खाली कर दिया था। सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव ने कहा कि उन्होंने 18 जून को ही कार्यालय खाली कर जिला प्रशासन को सूचना दे दी थी।

उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की थी कि चूंकि समाजवादी पार्टी के कार्यालय की इमारत चंदे से बनी थी, इसलिए उन्हें कार्यालय का मलबा हटाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सोमवार सुबह कार्यालय खाली होते ही प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री चौधरी ने 3.96 लाख किसानों के खातों में 200 करोड़ रु. की राशि अंतरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को वर्ष 2025-26 के दौरान मार्च, 2026 के तीसरे एवं चौथे सप्ताह में आए आंधी-तूफान, असामयिक वर्षा और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करते हुए कृषि इनपुट अनुदान योजना के तहत 3.96 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 200 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण असामयिक वर्षा, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित किसानों को अपने संसाधनों से हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि इनपुट अनुदान योजना केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि किसानों में आत्मविश्वास और स्थिरता का संचार करने का भी माध्यम है। उन्होंने बताया कि मार्च, 2026 में आई प्राकृतिक आपदा से राज्य के 13 जिलोंसहरसा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, अररिया, बेगूसराय, पूर्णिया, दरभंगा, किशनगंज, खगड़िया, मधुबनी, सुपौल और भागलपुरमें 33 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी।

बजट से बंगाल के आर्थिक सुधार और महिला सशक्तीकरण को मिलेगी नई दिशा : समिक भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने सोमवार को राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता द्वारा पेश किए गए बजट का स्वागत किया। उन्होंने इसे एक ''व्यापक'' और जन-हितैषी दस्तावेज़ बताया, जिसका मकसद राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना और लोगों, खासकर महिलाओं, के जीवन को बेहतर बनाना है।

विधानसभा में बजट पेश किए जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में भट्टाचार्य ने कहा कि यह बजट सत्ता में आने से पहले भाजपा द्वारा किए गए वादों को पूरा करता है और राज्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, ''मैं इस बजट के लिए दासगुप्ता और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। यह एक व्यापक और जन-हितैषी बजट है।'' भाजपा नेता ने कहा कि यह बजट राज्य में ''नई जान'' फूंकेगा और महिलाओं के लिए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा, ''यह बजट न सिर्फ़ महिलाओं को सुरक्षा देगा, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में भी मदद करेगा।'' भट्टाचार्य ने इस बात पर जोर दिया कि शुभेंदु सरकार राज्य की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने और कामकाज एवं विकास पर असर डालने वाली ढांचागत समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रही है।

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा अनियमितता मामले में करीब 28 लोग पकड़े गए

पटना/भाषा। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रविवार को दोबारा आयोजित की गई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा(नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं के मामले में बिहार से कम से कम 28 लोगों को गिरफ्तार अथवा हिरासत में लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बिहार में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच बड़ी संख्या में अभ्यर्थी नीट की पुनर्परीक्षा में शामिल हुए थे। तीन मई को आयोजित नीट प्रश्नपत्र लीक होने के व्यापक आरोपों के बाद 12 मई को रद्द कर दी गई थी।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) सुधांशु कुमार ने कहा, ''बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली से जुड़े कुल 18 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन पर अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने वाले दूसरे व्यक्तियों और प्रश्नपत्र हल करने वाले गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर सत्यापन प्रक्रिया से छेड़छाड़ करने का आरोप है।'' इससे एक दिन पहले लखीसराय की पुलिस अधीक्षक प्रेरणा कुमार ने पुष्टि की थी कि रविवार शाम नौ फर्जी परीक्षार्थियों को हिरासत में लिया गया, जो वास्तविक अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दे रहे थे। एडीजीपी ने बताया कि गया चिकित्सा महाविद्यालय का छात्र अंकित राज कथित रूप से 'सॉल्वर' (प्रश्नपत्र हल करने वाले) की भूमिका में था और उसे भी गिरफ्तार किया गया है।

झारखंड में पिछले 24 घंटों में आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत

रांची/भाषा। झारखंड में पिछले 24 घंटों के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और 10 साल की एक बच्ची शामिल है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूंटी जिले में चार और रामगढ़ में दो लोगों की मौत हुई जबकि लोहरदगा, देवघर, जामताड़ा, साहिबगंज और गिरिडीह जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। खूंटी जिले में रविवार को अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि खूंटी जिले के मारंगहाडा थाना क्षेत्र के देव मैदान के पास बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जब वे पास के जंगल की ओर जा रहे थे। मृतकों में 16 साल का एक लड़का और 42 साल का एक व्यक्ति, सुखराम मुंडा शामिल थे। पुलिस के अनुसार एक अन्य घटना में, कर्रा थाना क्षेत्र के पात्राटोली गांव में क्रिकेट खेलते समय बिजली गिरने से 22 साल के प्रेम बखाला की मौत हो गई और तीन अन्य लोग झुलस गए। घायलों को इलाज के लिए रांची के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोहरदगा जिले के कैरो गांव में सोमवार को बिजली गिरने से 35 साल की महिला रेखा देवी की मौत हो गई। बरहरवा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी नितिन खंडेलवाल ने बताया, ''साहिबगंज जिले में बिजली गिरने से 10 साल की बच्ची पोरायनी हेम्ब्रम की मौत हो गई। बच्ची उस समय एक पेड़ के नीचे खेल रही थी। देवघर में, एक पेड़ के नीचे शरण लेने के दौरान बिजली गिरने से मुंद्रिका देवी (30) की मौत हो गई। यह घटना मोहनपुर पुलिस स्टेशन इलाके के बसबुटिया गांव में हुई। अधिकारियों के अनुसार रामगढ़ जिले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। 49 वर्षीय महिला मानसी देवी की खेत में काम करते समय बिजली गिरने से मौत हो गई।

संभल में छह साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले के बबराला थाना क्षेत्र में छह साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी तक पहुंचने में श्वान दस्ते में शामिल 'मैरी' की अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली आरोपी संदीप (34) के पैर में लगी। मुठभेड़ में आरक्षी भोलू भी घायल हुआ है।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत ने बताया कि 19 जून को बबराला के एक गांव में छह साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। बबराला थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई थी। उन्होंने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि आरोपी संदीप भागने की फिराक में है। रावत ने बताया कि पुलिस ने बबराला-रजपुरा रोड पर नगरिया काजी गांव के पास नाकेबंदी कर उसे घेर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने खुद को घिरा हुआ देख पुलिस पर गोली चला दी जिसमें सिपाही भोलू घायल हो गया। रावत ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली संदीप के पैर में लगी। उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से 315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा और तीन कारतूस बरामद हुए हैं।

अभिनेता पंकज त्रिपाठी के भाई पर कुल्हाड़ी से हमला, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पटना/भाषा। अभिनेता पंकज त्रिपाठी के भाई पर बिहार के गोपालगंज जिले स्थित उनके पैतृक गांव में भूमि विवाद को लेकर कुल्हाड़ी से हमला किया गया जिसमें वह घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह घटना रविवार देर शाम जिले के बरौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अभिनेता के पैतृक गांव बेलसंड में हुई। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) सुधांशु कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ''पीड़ित पर गांव में भूमि विवाद के दौरान कुल्हाड़ी से हमला किया गया।'' उन्होंने बताया कि हमले में शामिल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश अब माफिया, गुंडागर्दी और अराजकता से मुक्त हो चुका है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिरोजाबाद (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रदेश अब माफिया, गुंडागर्दी और अराजकता से मुक्त हो चुका है और आज उत्तर प्रदेश में नो कर्फ्यू, नो दंगा की स्थिति है और जब सब कुछ अच्छा होता है तो उपद्रव नहीं, बल्कि उत्सव होते हैं।

मुख्यमंत्री फिरोजाबाद में 658 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 81 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज और एक जिला, एक उत्पाद जैसी योजनाएं दे रही है, जबकि समाजवादी पार्टी के शासन में एक जिला, एक माफिया की स्थिति थी। योगी ने आरोप लगाया कि उस दौर में माफिया तत्व सरकारी भूमि पर कब्जा करने, अराजकता फैलाने और प्रदेश को नुकसान पहुंचाने के लिए जाने जाते थे। समाजवादी पार्टी रामनवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजनों का विरोध करती थी तथा आम लोगों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, बसपा (बहुजन समाज पार्टी) और सपा (समाजवादी पार्टी)पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ये दल अंधेरे में रहने के आदी थे, क्योंकि उस समय भ्रष्टाचार और लूटपाट को बढ़ावा मिलता था। यही कारण था कि वे प्रदेश में बिजली व्यवस्था को बेहतर नहीं बनाना चाहते थे।

वीबी-जी रामजी अधिनियम के तहत ग्रामीणों को प्रतिवर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी : श्रवण कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत- गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) अधिनियम के तहत अकुशल श्रम कार्य करने के इच्छुक पात्र ग्रामीणों को सालाना 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी।

कुमार मुख्य सचिवालय परिसर स्थित अधिवेशन भवन में वीबी-जी रामजी योजना के संबंध में उप विकास आयुक्तों, एनईपी निदेशकों व जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों के लिए आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने योजना के प्रमुख बिंदुओं की चर्चा करते हुए कृषि एवं मौसम आधारित योजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मंत्री ने केंद्र सरकार से सभी राज्यों में वीबी-जी रामजी योजना के तहत एक समान मजदूरी निर्धारित करने तथा पूर्व की लंबित राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया।

राहुल गांधी की ''स्कूबा डाइविंग'' पर 26 करोड़ रुपए खर्च होने का दावा निराधार : मणिकम टैगोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजय पुरम/भाषा। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू के उस दावे को निराधार बताया जिसमें रीजीजू ने कहा था कि अंडमान में राहुल गांधी की ''स्कूबा डाइविंग'' पर 26 करोड़ रुपए खर्च हुए।

टैगोर ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री का यह बयान या तो अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में पर्यटन को हतोत्साहित करने के लिए दिया गया है या फिर प्रस्तावित ग्रेट निकोबार विकास परियोजना से जुड़े सवालों से लोगों का ध्यान भटकाने के उद्देश्य से है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में प्रस्तावित ग्रेट निकोबार परियोजना की आलोचना को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के निशाने पर हैं।

अप्रैल के अंतिम सप्ताह में द्वीपसमूह के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने इस परियोजना को 'देश की प्राकृतिक और जनजातीय विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और गंभीर अपराधों में से एक' करार दिया था।

पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गांधी ने अपने अंडमान दौरे और समुद्र में की गई 'स्कूबा डाइविंग' का एक वीडियो साझा किया था। इसके साथ किए गए एक पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर ''वनाधिकार कानून का उल्लंघन कर जनजातीय समुदायों की जमीन छीनने'' का आरोप लगाया था।

पिछले शनिवार को रीजीजू ने राहुल गांधी के 'स्कूबा डाइविंग' वीडियो का उल्लेख करते हुए कहा था, ''उस एक स्कूबा डाइविंग के पीछे 26 करोड़ रुपए खर्च किए गए और पूरे तंत्र ने उस खबर को समुद्री जीवन और पर्यावरण से जोड़कर प्रचारित किया। ऐसा व्यापक प्रचार किया गया।''

रीजीजू ने कहा था, ''लेकिन अब लोग सब कुछ जानते हैं। आप सत्ता में नहीं आ सकते, तो देश की प्रगति, संपत्तियों और भविष्य को नुकसान क्यों पहुंचाना चाहते हैं?''

इस पर पलटवार करते हुए टैगोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रीजीजू ने ''मानो एक नया मंत्रालय संभाल लिया है, जिसका नाम है मानहानि मंत्रालय।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''राहुल गांधी की अंडमान यात्रा और स्कूबा डाइविंग पर 26 करोड़ रुपए खर्च होने का दावा बेतुका है और इससे जवाबों से अधिक सवाल खड़े होते हैं।''

टैगोर ने कहा कि 'स्कूबा डाइविंग' अंडमान द्वीपसमूह में एक लोकप्रिय पर्यटन गतिविधि है। उन्होंने सवाल किया, ''क्या अब हमें यह मान लेना चाहिए कि अंडमान में गोताखोरी करने वाला हर पर्यटक करोड़ों रुपए खर्च करता है?''

कांग्रेस सांसद ने कहा, ''एक केंद्रीय मंत्री ऐसी भ्रामक जानकारी क्यों फैला रहे हैं? क्या इसका उद्देश्य अंडमान में पर्यटन को हतोत्साहित करना है? या फिर ग्रेट निकोबार के भविष्य तथा बहुमूल्य राष्ट्रीय परिसंपत्तियों और संसाधनों को अदाणी समूह के हितों को सौंपे जाने संबंधी उठ रहे गंभीर सवालों से ध्यान हटाना है?'' उन्होंने कहा, ''अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह बिक्री के लिए नहीं है। विकास का अर्थ कुछ चुनिंदा कॉरपोरेट घरानों के लाभ के लिए पर्यावरण, आजीविका और राष्ट्रीय संपत्तियों की बलि देना नहीं हो सकता। जनता को प्रचार नहीं, जवाब चाहिए।''

क्रिकेट के फेडरर हैं धोनी, कोहली की तुलना अल्कारेज से हो सकती है : सैमसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विंबलडन से पहले क्रिकेट और टेनिस के बीच समानता पर बात करते हुए भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से की और विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के स्टार कार्लोस अल्कारेज से की।

दुनिया के बेहतरीन टेनिस स्टार विंबलडन के लिए तैयार हो रहे हैं और ऐसे में सैमसन ने टेनिस और क्रिकेट के दिग्गजों के बीच तुलना की। सैमसन ने 'जियो स्टार' से कहा, ''क्रिकेट के रोजर फेडरर? वह महेंद्र सिंह धोनी ही हो सकते हैं। वह अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''दूसरी ओर कार्लोस अल्कारेज बहुत आक्रामक हैं। ठीक वैसे ही जैसे विराट भाई ने शुरुआत की थी। शायद विराट कोहली की तुलना अल्कारेज से की जा सकती है।'' भारत की महिला टीम ने अपना पहला एकदिवसीय विश्व कप जीतकर इतिहास रचा था और इसके कुछ ही महीनों बाद पुरुष टीम ने घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीता। टी20 विश्व कप में लगातार तीन मैच में 50 से

अधिक रन बनाने वाले सैमसन को भारत की खिताबी जीत के दौरान टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि महिला टीम की कामयाबी ने पुरुषों को प्रेरित किया। सैमसन ने कहा, ''हम सभी फाइनल देख रहे थे। मेरे परिवार के सदस्य और बाकी सभी लोग टीवी से चिपके हुए थे। यह देश में हम सभी के लिए एक खास पल था। हम लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि हम विश्व कप जीतने में सक्षम हैं। मैं टीम की सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश था। इसके पीछे बहुत मेहनत थी। यह हम सभी के लिए गर्व का पल था।'' सैमसन ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे लिए बहुत ऊंचे मानक तय किए गए थे। उन्होंने विश्व कप जीता और हमें ऐसे मुकाम पर पहुंचाया जहां हमें लगा कि हम भी भारत में ऐसा ही कर सकते हैं। यह बहुत शानदार पल था कि दोनों विश्व कप भारत में हुए और हमने उन्हें जीता।''

सुविचार

अगर आप किसी चीज़ को देख सकते हैं और सोच सकते हैं, तो आप उसे हासिल भी कर सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

औरों को नसीहत, खुद बेचें ग़ैरत

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने जम्मू-कश्मीर के बारे में जो टिप्पणियां की हैं, वे बिल्कुल बेबुनियाद हैं। पड़ोसी देश के राष्ट्रपति को भारत में मानवाधिकारों की कुछ ज्यादा ही चिंता होने लगी है। उन्हें अपने देश के हालात क्यों नहीं दिखाई देते? जरदारी पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन से जुड़ीं खबरें ध्यान से पढ़ लेंगे तो अन्य देशों की चिंता करना छोड़ देंगे। बलोचिस्तान में क्या हो रहा है? पाकिस्तानी फौज निर्दोष बलोच अवाम पर जुल्म के पहाड़ तोड़ रही है। कई बलोच पुरुष वर्षों से लापता हैं। वे फौजी कार्रवाई में मारे गए या जिंदा हैं – इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। एक बुजुर्ग बलोच, जिनका बेटा कई साल पहले लापता हो गया, कहते हैं कि 'अगर पाकिस्तानी फौज मुझसे यह कह दे कि हमने आपके बेटे को मार दिया है, तो मैं ज़िंदगीभर अपने घर की छत पर पाकिस्तान का झंडा लगाऊंगा ... बस कोई मुझे तसल्ली दिला दे कि मेरा बेटा जिंदा नहीं है।' क्या यह मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? क्या जरदारी को बलोचिस्तान दिखाई नहीं देता है? क्या बलोचिस्तान की ओर देखते समय चश्मा धुंधला पड़ जाता है या फौज ने उधर न देखने का हुक्म सुना रखा है? जरदारी जवाब दें। क्या पाकिस्तानी राष्ट्रपति भूल गए कि उनके देश में अहमदी समुदाय के साथ कैसा बर्ताव होता है? उनके लिए घोर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाता है, जो मानवाधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। हर व्यक्ति को गरिमापूर्ण ढंग से जीवन जीने का अधिकार है। इसमें आस्था के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है, लेकिन पाकिस्तान में ऐसा धड़ल्ले से हो रहा है।

पाकिस्तानियों की एक और आदत को समझना जरूरी है। इन्हें अन्य देशों में मानवाधिकारों की चिंता तो होती ही है। जब ये वहां जाते हैं तो ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं। यूरोप में इन दिनों क्या हो रहा है? वहां पाकिस्तानी अन्य लोगों से ज्यादा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं। वे विशेष धार्मिक अधिकार चाहते हैं। यही नहीं, वे हर सरकारी दफ्तर में अपने लिए ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व चाहते हैं। वे स्थानीय समुदाय की युवतियों से शादियां करते हैं। जबकि ये अपने देश में क्या करते हैं? वहां अल्पसंख्यकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाते हैं। उनकी नाबालिग बेटियों का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण कराते हैं। उसके बाद बड़ी उम्र के पुरुषों के साथ उनकी शादियां कराते हैं। क्या यह मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? पाकिस्तानी विदेशों में हर छोटे-बड़े पद पर काबिज होना चाहते हैं, लेकिन अपने देश में किसी अल्पसंख्यक को प्रधानमंत्री के पद पर बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। पाकिस्तान में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सेना प्रमुख, आईएसआई प्रमुख समेत कई पद ऐसे हैं, जिन पर अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले किसी व्यक्ति को नियुक्त नहीं किया जा सकता है। वह व्यक्ति कितना ही काबिल क्यों न हो, कितना ही बड़ा देशभक्त क्यों न हो, वह अयोग्य रहेगा। उसकी वफादारी पर सवालिया निशान लगा रहेगा। वह उक्त पदों तक कभी नहीं पहुंच सकता है। अगर पाकिस्तानी राष्ट्रपति में जरा-सा भी साहस बचा हो तो एक बार इस संबंध में अपने काबिल और देशभक्त अल्पसंख्यकों के बारे में बोलकर दिखाएं। सिर्फ इतना कह दें कि 'हमारे अल्पसंख्यक भाइयों-बहनों को भी इन पदों को सुशोभित करने का अवसर मिलना चाहिए।' उसके बाद कितने दिनों तक राष्ट्रपति भवन में रह पाएंगे? रावलपिंडी से तुरंत फोन आ जाएगा कि 'जरदारी या तो माफी मांगें या अपने घर जाएं।' सब जानते हैं कि उस सूरत में जरदारी माफी मांगकर अपनी कुर्सी बचाएंगे, क्योंकि ग़ैरत का सौदा ये बहुत पहले कर चुके हैं।

ट्वीटर टॉक

योग भारत की प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का ऐसा अमूल्य उपहार है, जो व्यक्ति मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। समाज में स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और अनुशासित जीवन मूल्यों के प्रसार में योग गुरुओं का योगदान अत्यंत प्रेरणादायी है।

-दिया कुमारी

भारतीय जनसंघ के आदरणीय वरिष्ठ नेता और कुशल संगठनकर्ता, सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि पर हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं! देश की भलाई के लिए उनका समर्पण, उनका सादा जीवन और संगठन के प्रति उनकी अटूट निष्ठा हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज मुख्यमंत्री के घर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. के. वी. राजू और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक मीटिंग हुई। इस दौरान, विकसित राजस्थान के विज़न को पूरा करने के लिए ज़िला-आधारित विकास मॉडल पर गहराई से चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शक्ति संतुलन

एक बार देवताओं ने शिव से पूछा 'महादेव... आप तीनों लोकों के स्वामी हैं। आपको किसी की ज़रूरत नहीं। फिर आपने पार्वती से विवाह क्यों किया?' शिव मुस्कुराए। बोले, 'एक सवाल पूछूं?' देवता बोले, 'पूछिए प्रभु।' शिव बोले, 'दीपक अकेला क्या करता है?' देवता बोले, 'जलता है।' शिव बोले, 'और तेल अकेला क्या करता है?' देवता बोले, 'बस पड़ा रहता है।' शिव बोले, 'लेकिन जब दोनों मिलते हैं तो क्या होता है?' देवता चुप हो गए। शिव बोले, 'उजाला होता है। मैं वो अग्नि हूं जो सब जला सकती है। पार्वती वो शक्ति है जो उस अग्नि को दिशा देती है। मेरे बिना पार्वती शक्ति हैलेकिन बिना दिशा के। पार्वती के बिना मैं शिव हूं लेकिन बिना संतुलन के। जब हम दोनों मिलते हैं तो सृष्टि चलती है।' देवताओं की आंखें भर आईं। शिव बोले, 'इसीलिए मुझे अर्धनारीश्वर कहते हैं। आधा शिव। आधी शक्ति। दोनों के बिना, दोनों अधूरे हैं। शिव ताकत हैं, पार्वती संतुलन हैं। शिव तांडव हैं, पार्वती प्रेम हैं। शिव विनाश हैं, पार्वती सृजन हैं। और जब दोनों साथ हों तो वो शक्ति है जो ब्रह्मांड को थामे रखती है।'

सामयिक

युद्धविराम से आगे : क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है।

नजरिया

श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपने साकार करेगी भाजपा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

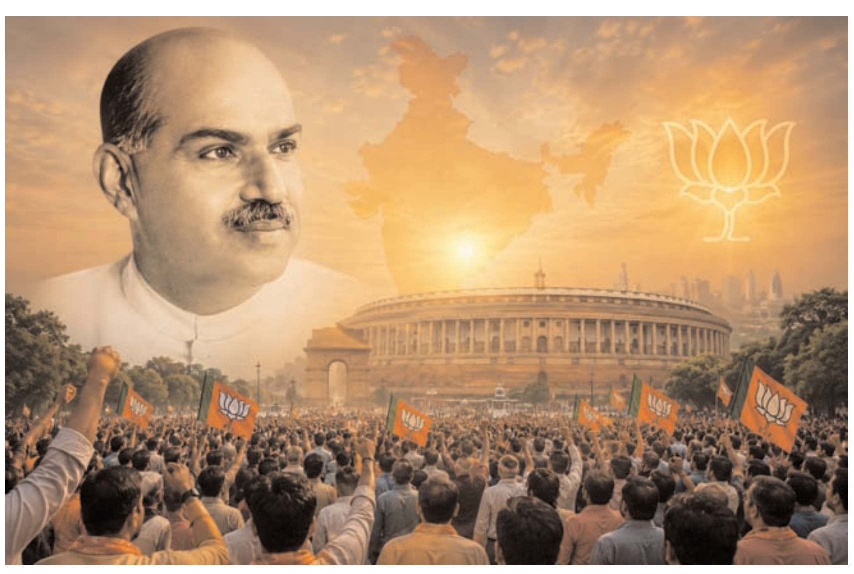

भारतीय जनता पार्टी अपने पितृ पुरुष और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 23 जून को बलिदान दिवस के रूप में मनाती है। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया जाता है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म स्थली बंगाल थी। बंगाल विजय के बाद भाजपा बम बम है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में मुखर्जी की 125 फुट ऊंची मूर्ति की स्थापना का एलान किया है। इसी के साथ एक एक कर मुखर्जी के सपने साकार होने लगे है। एक देश, एक विधान, एक निशान और एक संविधान के सूत्रधार डॉक्टर मुखर्जी अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी थे और चाहते थे कि कश्मीर पूरी तरह से भारत का हिस्सा बने और वहां अन्य राज्यों की तरह समान कानून लागू हो। डा. मुखर्जी के बलिदान के दशकों बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटा कर देश में एक विधान और एक निशान का उनका सपना पूरा कर दिया। जो काम मुखर्जी अपने जीवनकाल में पूरा नहीं कर पाए वह बंगाल विजय के साथ पूरा हुआ। मोदी सरकार धीरे धीरे मुखर्जी के सभी सपने साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। हालाँकि वर्तमान लोकसभा में अकेले भाजपा को बहुमत नहीं मिला है मगर मोदी अपने निश्चय पर दृढ़ है। महान देशभक्त डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी शिक्षाविद के रूप में विख्यात थे। एक महान शिक्षाविद और चिन्तक होने के साथ-साथ भारतीय जनसंघ के संस्थापक भी थे। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने के पश्चात श्री मुखर्जी 1923 में सेनेट के सदस्य बने। सन 1924 में पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट में वकालत के लिए पंजीकरण कराया। 1926 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए प्रस्थान किया जहाँ लिंकन्स इन से उन्होंने 1927 में बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की।

डॉ मुखर्जी के राजनैतिक जीवन की शुरुआत सन 1929 में हुई जब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर बंगाल विधान परिषद में प्रवेश किया परन्तु जब कांग्रेस ने विधान परिषद के बहिस्कार का निर्णय लिया तब उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके पश्चात उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा और चुने गए। सन 1941-42 में वह बंगाल राज्य के वित्त मंत्री रहे। सन 1937 से 1941 के बीच जब कृषक प्रजा पार्टी और मुस्लिम लीग की साझा सरकार थी तब वो विपक्ष के नेता थे और जब फजलुल हक के नेतृत्व में एक प्रगतिशील सरकार बनी तब उन्होंने वित्त मंत्री के तौर पर कार्य किया पर 1 साल बाद ही इस्तीफा दे दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच हुए समझौते के पश्चात 6 अप्रैल 1950 को उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद उन्होंने एक नए राजनैतिक दल की स्थापना की जो उस समय सबसे बडा विरोधी दल था। इस प्रकार अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ' का उद्भव हुआ। सन 1952 के चुनाव में भारतीय जन संघ ने कुल तीन सीटें जीती, जिसमे एक उनकी खुद की सीट शामिल थी।

यहाँ हमें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में जानना जरुरी है की आखिर वे चाहते क्या थे। आज की पीढ़ी के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम अनजाना हो सकता है मगर कश्मीर के लिए किया गया उनका बलिदान इतिहास में अमर है। डॉ मुखर्जी भारत के अकेले ऐसे नेता थे जिन्हें एक देश दो संविधान मंजूर नहीं था। उनके अप्रतिम संघर्ष के कारण ही आज कश्मीर भारत का भाग है। डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। समाज के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के साथ ही अखंड कश्मीर के खातिर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान सदैव हमारी स्मृतियों में रहेगा। डॉ. मुखर्जी धर्म के आधार पर विभाजन के कट्टर विरोधी थे।

श्री मुखर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गुरू गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद 21 अक्तूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की नींव रखी और वे इसके पहले अध्यक्ष बने। 1929 में बंगाली लेजिस्लेटिव कांउसिल में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी का 23 जून समृति दिवस है। इस दिन उनकी जम्मू कश्मीर जेल में उनकी मृत्यु हुई थी। उन्होंने एक राष्ट्र दो विधान दो संविधान का विरोध करते हुए बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। वहां पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। डा. मुखर्जी ने 40 दिन तक जेल जीवन की यातनायें सहन कीं। वहीं वे अस्वस्थ हो गये। 22 जून को प्रात 4 बजे उनको दिल का दौरा पड़ा। जनसंघ के उनके साथियों का मानना है उन्हें समय पर उचित चिकित्सा नहीं दी गयी परिणामस्वरूप अगले ही दिन 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में डा. मुखर्जी का देहान्त हो गया। राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान किया। डॉ मुखर्जी आज हमारे बीच में नहीं है मगर भाजपा के रूप में उनकी विचारधारा को लोगों ने स्वीकारा है। शिक्षाविद और प्रखर देशभक्त के रूप में लोग आज भी उन्हें श्रद्धा से याद करते है।

मुखर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गुरू गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद 21 अक्तूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की नींव रखी और वे इसके पहले अध्यक्ष बने। 1929 में बंगाली लेजिस्लेटिव कांउसिल में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी का 23 जून समृति दिवस है। इस दिन उनकी जम्मू कश्मीर जेल में उनकी मृत्यु हुई थी। उन्होंने एक राष्ट्र दो विधान दो संविधान का विरोध करते हुए बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'मैं हूँ परवेज़ खान' एलबम का गाना रिलीज़ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग एथलीट और कर्नाटक स्टेट स्पोर्ट किंग के प्रदेश अध्यक्ष परवेज़ खान की ज़िंदगी और कामयाबियों पर आधारित गाना 'मैं हूँ परवेज़ खान' एल्बम शनिवार को बीदर सिटी प्रेस हाउस में रिलीज़ किया गया। इस मौके पर डॉ. मोहम्मद इमरान सईद ने कहा कि यह गाना परवेज़ खान की पर्सनैलिटी और कामयाबियों के साथ-साथ बीदर ज़िले की ऐतिहासिक जगहों को भी दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह गाना युवाओं को प्रेरित करने के मकसद से बनाया गया है । यह गाना महाराष्ट्र की रुबिन म्यूज़िक कंपनी ने बनाया है और इसे दुनिया भर के 250 से ज़्यादा ऑडियो प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ किया जा चुका है। यह गाना 45 यूट्यूब म्यूज़िक चैनल,गाना.कॉम, सारेगामा समेत कई डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर भी उपलब्ध है। यह गाना इंडस्ट्रीज़ एंटरटेनमेंट मेट के ज़रिए यूट्यूब, फेसबुक व इंस्टाग्राम पर रिलीज़ किया गया है। डॉ. इमरान सईद ने बताया कि परवेज़ खान का अगला एल्बम सॉन्ग 5 जुलाई को रिलीज़ होगा, और इसकी तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। गाने के प्रमुख परवेज़ खान ने कहा कि आज के युवा मोबाइल की लत की वजह से अपनी शरीरिक ताकत खो रहे हैं।

उन्हें अपनी सुंदरता और शरीरिक ताकत बढ़ाने के लिए रोज़ाना शरीरिक गतिविधियां, गीत, अभ्यास व वॉक वगैरह को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उन्होंने सभी से एल्बम गाने को फॉलो करने का निवेदन किया है। इस रिलिज मौके पर अभिनेत्री मुस्कान मुजावर, म्यूज़िक निदेशक रॉबिन मुजावर, प्रोड्यूसर सतीश शर्मा नंदी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रघुप्रिया, किकबॉक्सिंग कोच सुवित मोरे, कराटे कोच सूर्यकांत मोरे, एक्टर अयान खान आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

रहमान की यात्रा के दौरान बांग्लादेश, चीन संबंधों की भविष्य की दिशा तय करेंगे : बीजिंग

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बीजिंग यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों की भविष्य की दिशा तय करेगी। बीजिंग की यात्रा के दौरान रहमान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले विदेश दौरे के लिए मलेशिया को चुनने वाले रहमान सोमवार शाम कुआलालंपुर से चीन के डालियान शहर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री ली क्यांग के निमंत्रण पर चीन आ रहे रहमान 23 से 26 जून तक देश की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। मंत्रालय के मुताबिक, रहमान 23-24 जून को डालियान में विश्व आर्थिक मंच‸ की ओर से आयोजित 'न्यू चैंपियंस की 17वीं सालाना बैठक' में शामिल होंगे, जिसका उद्घाटन क्यांग करेंगे।

प्रदर्शन

अपनी मांगों के समर्थन में सोमवार को शिमला में राज्य सचिवालय के बाहर सीटू के बैनर तले विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी करते मिड-डे मील कार्यकर्ता।

बिरयानी टिप्पणी विवादः प्रणित मोरे, हिमांशु जांगड़ा एनसीडब्ल्यू के समक्ष पेश हुए

नई दिल्ली/भाषा। हास्य कलाकार प्रणित मोरे और वेब डेवलपर हिमांशु जांगड़ा सोमवार को यहां राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के दफ्तर पहुंचे। वे महिलाओं की गरिमा को कथित तौर पर ठेस पहुंचाने वाली अपनी टिप्पणियों के सिलसिले में सुनवाई के लिए एनसीडब्ल्यू के समक्ष आए थे।

एनसीडब्ल्यू ने इस मामले में मोरे और जांगड़ा को अपने सामने पेश होने के लिए समन जारी किया था। आयोग ने पूर्व में एक बयान में कहा था, एनसीडब्ल्यू ने हरियाणा के गुरुग्राम में हुए एक हास्य कार्यक्रम के दौरान हुई घटना की मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज का स्वतः संज्ञान लिया है। इस घटना में कथित तौर पर एक महिला के साथ यौन जबरदस्ती और बिना सहमति के किए गए व्यवहार को सही ठहराने वाली बातें सार्वजनिक रूप से कही गईं और बाद में उन पर तालियां भी बजाई गईं।

इस घटना की निंदा करते हुए, एनसीडब्ल्यू ने फिर से कहा कि सहमति से कोई समझौता नहीं हो सकता।

आयोग ने कहा था कि किसी महिला की आजादी के प्रति यौन जबरदस्ती, हक जताने या अनादर करने की किसी भी कोशिश को हास्य या मनोरंजन के तौर पर दिखाना स्वीकार्य नहीं है। यह भारत के संविधान और कानूनों के तहत महिलाओं को मिली बराबरी, सम्मान और सुरक्षा के सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब जांगड़ा ने शो के दौरान एक 'डेट' (मुलाकात) पर जाने का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने चिकन बिरयानी की एक प्लेट पर 370 रुपए खर्च किए थे। जब महिला ने उन्हें घर छोड़ने के लिए कहा, तो जांगड़ा ने कहा कि उन्होंने बिरयानी पर खर्च किए गए पैसों के बदले प्रणय निवेदन की मांग की।

सिंगापुर में 100 से अधिक प्रवासी श्रमिकों ने बकाया वेतन को लेकर श्रम मंत्रालय से लगाई गुहार

सिंगापुर/भाषा। सिंगापुर में भारत और बांग्लादेश मूल के 100 से अधिक प्रवासी श्रमिकों ने कथित रूप से वेतन नहीं मिलने की शिकायत लेकर सोमवार को श्रम मंत्रालय (एमओएम) का दरवाजा खटखटाया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, एयर-कंडीशनर रखरखाव की सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी 'केपीए इंजीनियरिंग' के कई कर्मचारियों ने दावा किया कि उन्हें पिछले दो महीनों से वेतन नहीं मिला है और कंपनी का कामकाज भी बंद हो गया है।

भारतीय मूल के श्रमिक संपत ने बताया कि कंपनी और उसके अधिकारियों के समक्ष कई बार मुद्दा उठाने के बावजूद कर्मचारियों को दो महीने से वेतन नहीं मिला है।

संपत के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, ''हमें पता चला है कि कंपनी ने अपना कारोबार बंद कर दिया है। काफी समय से वेतन नहीं मिलने के कारण हम चिंतित हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें समझ नहीं आ रहा था कि मदद के लिए किसके पास जाएं।'' केपीए इंजीनियरिंग के कर्मचारियों के रूप में पहचान स्थापित होने के बाद इन प्रवासी श्रमिकों ने श्रम मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की।

रिपोर्ट के अनुसार, केपीए इंजीनियरिंग में एयर-कंडीशनिंग और मैकेनिकल वेंटिलेशन तकनीशियन के रूप में कार्यरत 36 वर्षीय राजेंद्रन बर्थाप ने कहा कि उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को अपनी वेतन संबंधी समस्या बताई है और अधिकारियों ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

श्रम मंत्रालय ने कहा कि यदि जांच में कंपनियां श्रम कानूनों के उल्लंघन की दोषी पाई जाती हैं, तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। 'चैनल न्यूज एशिया' के अनुसार विवाद प्रबंधन के लिए त्रिपक्षीय गठबंधन (टीएडीएम) की महाप्रबंधक एनजी हुई मिन ने कहा, ''यदि कंपनियों द्वारा किसी भी रोजगार कानून का उल्लंघन पाया जाता है, तो एमओएम उनके खिलाफ आवश्यक और उचित प्रवर्तन कार्रवाई करेगा।''

प्रदर्शन

गुवाहाटी में सोमवार को गुवाहाटी में कुंडिल सेना असम के सदस्यों ने विकास परिषद को असम सरकार द्वारा आवंटित धन की मुख्यमंत्री सतर्कता जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

फिल्म 'बेबी डू डाई डू' का प्रमोशन इवेंट : हुमा कुरैशी का खुलासा- बेबी सिर्फ हत्यारी नहीं, अपनी शर्तों पर जीने वाली एक इंसान है

जयपुर। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जयपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी आगामी फिल्म बेबी डू डाई डू से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस फिल्म से उनका जुड़ाव सिर्फ अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि निर्माता के रूप में भी रहा। हुमा ने कहा- एक निर्माता के तौर पर मैं हमेशा यह सोचती थी कि क्या यह फिल्म कुछ नया कह रही है और एक अभिनेत्री के तौर पर यह देखती थी कि क्या बेबी की कहानी सच्ची लगती है। सौभाग्य से दोनों सवालों का जवाब एक ही था। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उनके भीतर की निर्माता और अभिनेत्री लगातार संवाद करती रहीं और जब भी कोई एक संतुष्ट नहीं होती, वे दृश्य दोबारा शूट करने से नहीं हिचकते थे। हुमा के अनुसार, बेबी करमारकर का चरित्र भारतीय दर्शकों ने पहले कभी पर्दे पर नहीं देखा- एक निडर, अप्रत्याशित और नजरअंदाज न किए जा सकने वाली देसी हिटवुमन। उन्होंने कहा कि फिल्म सिर्फ क्राइम थ्रिलर नहीं, बल्कि एक्शन, सस्पेंस और डार्क ह्यूमर का मिश्रण है। हुमा ने निर्देशक नचिकेत सामंत की बारीक कारीगरी और भाई साकिब सलीम के साथ काम करने के अनुभव को यादगार बताया। उन्होंने कहा- बेबी केवल एक हत्यारी नहीं है, वह अपनी शर्तों पर जीने वाला किरदार है। उसकी दुनिया खतरों से भरी है, पर वह डरकर पीछे नहीं हटती। मुझे विश्वास है दर्शक उससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

विजय के जन्मदिन पर एटली की दिल छू लेने वाली दी शुभकामना

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर एटली ने आज सुपरस्टार विजय के जन्मदिन को और भी खास बनाते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक संदेश साझा किया है, जिसने दोनों की गहरी दोस्ती की खूबसूरत झलक दिखाई है। एटली ने विजय के साथ अपनी एक खूबसूरत और सहज तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, 'हैप्पी बर्थडे अन्ना'। फिलहाल उनका यह छोटा लेकिन स्नेह से भरा संदेश देखते ही देखते फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। गौरतलब है कि एटली और विजय की जोड़ी तमिल सिनेमा की सबसे सफल अभिनेता-निर्देशक जोड़ियों में से एक मानी जाती है। दोनों ने साथ मिलकर 'थेरी', 'मर्सल' और 'बिगिल' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करने के साथ-साथ दर्शकों और समीक्षकों का भी भरपूर प्यार बटोरा है। उनकी सफल साझेदारी ने पर्दे के पीछे भी दोनों के बीच मौजूद भरोसे, सम्मान और दोस्ती को और मजबूत किया है।

फिलहाल सोशल मीडिया पर एटली द्वारा साझा की गई तस्वीर में दोनों एक-दूसरे के साथ बेहद सहज और खुश नजर आ रहे हैं। तस्वीर में एटली, विजय को गर्मजोशी से गले लगाए हुए हैं और दोनों मुस्कुराते दिखाई दे रहे हैं। यह पोस्ट केवल जन्मदिन की शुभकामना नहीं, बल्कि उनके बीच के गहरे सम्मान, दोस्ती और भाईचारे का भी खूबसूरत प्रतीक बनकर सामने आई है।

अभिनेता वीर दास और शेखर सुमन सोमवार को मुंबई में एबीबी स्टूडियो के दौरे के दौरान फोटोग्राफरों को पोज देते हुए।

मेरे गाने आज भी लोगों को याद, संगीत बना सबसे खूबसूरत पहचान : करिश्मा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन की दुनिया में संगीत हमेशा से फिल्मों का अहम हिस्सा माना गया है। चाहे कहानी कितनी भी मजबूत क्यों न हो, अगर उसमें अच्छे गाने और संगीत जुड़ जाए, तो वह दर्शकों के बीच लंबे समय तक बना रहता है। इसको लेकर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर की सबसे खूबसूरत पहचान वही गाने हैं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। करिश्मा कपूर इन दिनों डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में जज के तौर पर नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया, इस शो में मुझे ऐसे अलग-अलग टैलेंट देखने को मिलते हैं, जो संगीत को अपने तरीके से पेश करते हैं। यह देखकर मुझे बेहद खुशी होती है कि आज के युवा सिर्फ गानों को सुनते ही नहीं बल्कि उन्हें अपनी भावनाओं और डांस के जरिए एक नई कहानी में बदल भी देते हैं। यह बदलाव मुझे काफी प्रेरणादायक लगता है। करिश्मा कपूर ने कहा, मेरे लिए संगीत हमेशा से यादों, भावनाओं और एक खास जादू से जुड़ा रहा है। जब भी मैं 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' के सेट पर जाती हूं, तो यहां की परफॉर्मेंस देखकर मुझे अपने पुराने दिनों की याद आ जाती है। मुझे लगता है कि संगीत एक ऐसी चीज है जो हर व्यक्ति को किसी न किसी पल, भावना या समय से जोड़ देती है। एक अच्छा गाना सिर्फ सुना नहीं जाता, बल्कि महसूस किया जाता है और वह सीधे दिल तक पहुंचता है। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिल्मों की यात्रा में कई ऐसे गाने रहे हैं, जो आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इन गानों ने न सिर्फ मुझे पहचान दी, बल्कि दर्शकों के दिलों में खास जगह भी दिलाई। एक कलाकार के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि होती है कि उसके काम को लोग सालों बाद भी याद रखें और उससे जुड़ाव महसूस करें। संगीत की ताकत यही है कि वह किसी भी इंसान को तुरंत पुराने समय में ले जा सकता है और बीती हुई यादों को फिर से जीवंत कर देता है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में आने वाले प्रतिभागी जिस तरह से पुराने और नए गानों को मिलाकर परफॉर्म करते हैं, वह बेहद खास है। यह देखकर एहसास होता है कि संगीत की कोई सीमा नहीं होती और हर पीढ़ी इसे अपने तरीके से जीती है। करिश्मा कपूर ने 'दिल तो पागल है' फिल्म के शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि इस फिल्म के लिए उन्हें बहुत ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ी थी। इस दौरान उन्होंने डांस और परफॉर्मेंस की बारीकियों को और बेहतर तरीके से समझा।

मेरे पापा को शादी में जो सोने का ब्रेसलेट मिला था, उसे बेचकर मुझे अमेरिका भेजा : गुनीत मोंगा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

ऑस्कर-विनिंग प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा कपूर के लिए, सफलता कभी भी कोई एक अचीवमेंट नहीं रही है। एक पब्लिकेशन को दिए इंटरव्यू में, वह कहती हैं, हर माइलस्टोन के पीछे- उनके पिता खड़े हैं, एक ऐसा आदमी जिसका उन पर इतना अटूट विश्वास था कि वह अपनी बेटी को आगे बढ़ने का हर मौका देने के लिए अपनी संपत्ति कुर्बान करने को तैयार थे। फादर्स डे पर एक बहुत ही पर्सनल बातचीत में, गुनीत ने उन वैल्यूज़, त्याग और ज़िंदगी के सबक के बारे में सोचा, जिन्होंने दिल्ली की एक छोटी लड़की से भारत के सबसे मशहूर फिल्ममेकर्स में से एक बनने के उनके सफर को बनाया। खासकर, एक याद माता-पिता के प्यार के बारे में उनकी समझ को बताती रहती है। जो सोने का कड़ा पापा को शादी में मिला था, उन्होंने उसको बेचकर मुझे अमेरिका भेज दिया।

गुनीत ने अपने पिता को शादी में गिफ्ट में दिया हुआ सोने का ब्रेसलेट बेच दिया ताकि वह विदेश में मौके ढूंढ सके। लेकिन उसके लिए, यह कदम पैसे की कुर्बानी से कहीं ज़्यादा बड़ा था, यह एक पिता का अपनी बेटी के भविष्य पर पूरा भरोसा दिखाता था। विदेश में पढ़ाई करने का सपना सच होने से बहुत पहले, उसके पिता ने इसकी कल्पना कर ली थी। वह अक्सर कहते थे, मेरी बेटी अमेरिका जाएगी। यही भरोसा वह नींव बना जिस पर गुनीत ने अपनी ज़िंदगी बनाई।

अपने पिता के असर के बारे में बताते हुए, उन्होंने बताया, उन्होंने मेरे ऊ्छ- शेप की हुई है। रिस्क सब अच्छा है, मेरे पास बहुत पैसे हैं, मैं बहुत ज़्यादा हूँ। वह उन्हें ज़िंदगी में कमी के बजाय ज़्यादा चीज़ों और डर के बजाय हिम्मत के साथ जीना सिखाने का क्रेडिट देती हैं। गुनीत ने यह भी बताया कि उनके पिता कभी भी परिवार में पारंपरिक ऊंच-नीच में यकीन नहीं करते थे।

इसके बजाय, उनका रिश्ता दोस्ती और भरोसे पर बना था। मेरे पापा और मैं दोस्त थे, हमारे बीच कोई ऊंच-नीच नहीं थी,

उन्होंने बचपन को याद करते हुए कहा, जब बातचीत खुली होती थी और उनकी राय को अहमियत दी जाती थी। उन्होंने आगे कहा कि उनका पेरेंटिंग स्टाइल अलग और मज़बूत बनाने वाला था। पापा ने मेरी बहुत दबंग परवरिश की है। चाहे वह उसके एम्बिशन को बढ़ावा देना हो, उसकी इंडिपेंडेंस को सपोर्ट करना हो या समाज की उम्मीदों को यह तय करने से मना करना हो कि एक बेटी क्या हासिल कर सकती है, उन्होंने लगातार उसे अपने हालात से बड़ा सोचने के लिए मोटिवेट किया।

यह भरोसा गुनीत की ज़िंदगी के हर फेज़ में रहा, जिसमें उनके सबसे अलग करियर चॉइस में से एक भी शामिल है। प्रोड्यूसर बनने से पहले, वह एक ऊ्ञ के तौर पर काम करती थीं, अक्सर देर रात तक परफॉर्म करती थीं और सुबह जल्दी घर लौटती थीं। जबकि कई माता-पिता ने इस प्रोफेशन पर सवाल उठाए होंगे या इसके साथ आने वाली लाइफस्टाइल को लेकर चिंता की होगी, गुनीत के पिता मजबूती से उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने जो कई सबक दिए, उनमें से एक सबक ज़िंदगी के हर फेज़ में उनके साथ रहा है। मन मत मरना कभी। अपनी इच्छाओं, सपनों या जोश को कभी न दबाने की सीधी सी सलाह ज़िंदगी भर का मंत्र बन गई। आज, गुनीत का मानना ङ्ङहै कि यही एक खास वजह है कि उन्होंने एक ऐसी इंडस्ट्री में रिस्क लेने और अपना रास्ता खुद बनाने की हिम्मत की जो अपनी चुनौतियों के लिए जानी जाती है।

तेरापंथ सभा की नई कार्यकारिणी का दायित्व बोध समारोह सम्पन्न

नए अध्यक्ष प्रकाश बाबेल व उनकी टीम ने संभाला पदभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा गांधीनगर के नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रकाशचंद बाबेल के नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा के आंचलिक प्रभारी महेंद्र दक ने किया। सभा के निवर्तमान अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत करते हुए नए अध्यक्ष प्रकाश बाबेल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

अध्यक्ष बाबेल ने सभा के सभी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जिसमें उपाध्यक्ष रमेश कोठारी, प्रकाश कटारिया, विनय बैद, मंत्री सुभाष पोखरणा, सहमंत्री राजेंद्र बैद, सुरेश मांडोत, कोषाध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल, संगठन मंत्री राजेन्द्र बाफना के नाम शामिल थे जिन्हें शपथ दिलवाई। साध्वीश्री ने कहा कि नवगठित टीम संघ और संघपति के प्रति समर्पित होकर महासभा द्वारा निर्देशित दिशा निर्देशों के अनुसार सभा के करणीय कार्य करे एवं भावी पीढ़ी में संस्कारों के निर्माण के आयोजन के साथ ज्ञानशाला का विकास करे। साध्वीश्री ने 15मिनट तक जाप का आध्यात्मिक अनुष्ठान करवाया। साध्वी आत्मयशाजी,उन्नतयशाजी एवं रम्यप्रभाजी ने मंगल भावना व्यक्त की ।

अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने अपने वक्तव्य में कहा कि सम्पूर्ण समाज के सहयोग से जो भी सभा के करणीय कार्य है उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

समाज ने जो मुझे दायित्व दिया उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। इस मौके पर अणु विभा से अविनाश नाहर, महासभा से महेंद्र दक, संजय बांठिया, नवनीत मुथा, इंद्रचन्द गादिया, मारवाड़ कांठा समाज के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, जितेंद्र कोचर, युवक परिषद के अध्यक्ष विनोद कोठारी, महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील चोरड़िया, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, टीपीएफ के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, भिक्षुधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन नाहर ने नव मनोनीत अध्यक्ष एवं टीम को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अनेक सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सभा के निवर्तमान मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया। महावीर ओस्तवाल ने धन्यवाद दिया। साध्वीश्री के मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विजयनगर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा 'योग से ही होगा 3.0' के तहत योगा और जुंबा कार्यक्रम तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। मंत्री कमलेश दक ने सभी का स्वागत किया। प्रशिक्षिका सोनाली मांडोत ने योगाभ्यास और जुंबा करवाया। इस अवसर पर अभातेयुप के राकेश पोखरणा, अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जर्नी ऑफ प्योरिटी

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) बेंगलूरु साउथ ने हेल्थ एंड न्यूट्रिशन वर्टिकल के अंतर्गत 'जर्नी ऑफ प्योरिटी' के तहत ऑर्गेनिक फूड ब्रांड प्योर एंड श्योर की फैक्ट्री का औद्योगिक भ्रमण किया तथा ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों की संपूर्ण प्रक्रिया को जाना। बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी एवं निधि पालरेचा ने प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएँ दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा कार्य

जैन जीवदया संगठन के सदस्यों ने रविवार को जयनगर स्थित वात्सलपुरम आश्रम में अनुकम्पा सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें महावीर सिसोदिया, मुकेश सवानी एवं राकेश निम्बजिया ने आश्रम में निवासरत बच्चों को पुस्तकें, चॉकलेट, राशन सामग्री एवं अन्य आवश्यक उपयोगी वस्तुएं प्रदान की।

विजयनगर में दो दिवसीय 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा दो दिवसीय 'श्री उत्सव एक कदम स्वावलंबन की ओर' प्रदर्शनी का समापन रविवार को हुआ। लाभार्थियों के कर कमलों द्वारा उद्घाटन हुआ। अध्यक्ष महिमा पटावरी ने सभी का स्वागत किया। अभातेमम की सहमंत्री मधु कटारिया ने कहा कि महिला जब अपने हुनर को पहचानती है तब अपने सपनों को ही नहीं समाज को भी संवार देती है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो महिलाओं को उनके हुनर को निखारने और पहचान दिलाने में मददगार साबित होगा। अभातेमम की पूर्व महामंत्री वीणा बैद ने कहा, यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा संचालित है। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा, अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत एवं अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी। इइस दो दिवसीय प्रदर्शनी में वस्त्र, आभूषण, घरेलू सामान के साथ पारंपरिक साजसज्जा से सुसज्जित राजस्थानी संस्कृति की छटा बिखेरते अनेक आकर्षक स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम में प्रायोजक परिवार तथा सभी विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया। प्रदर्शनी में अनेक लकी ड्रा निकाले गए तथा तीन बंपर ड्रा भी निकाले गए। साथ ही दो स्टॉल को बेस्ट स्टॉल का पुरस्कार प्रदान किया गया।

उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया के नेतृत्व में विभिन्न रोचक प्रस्तुतियों द्वारा सभी का मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका बरखा पुगलिया एवं आभार ज्ञापन मंत्री सरिता छाजेड़ ने किया।

राजाजीनगर तेरापंथी सभा का दायित्व बोध संकल्प समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुनिश्री विनीत कुमारजी व आकाश कुमारजी के सान्निध्य में रविवार को तेरापंथ भवन, राजाजीनगर में तेरापंथी सभा ट्रस्ट के सत्र 2026-28 का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष अशोक चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए नवमनोनीत अध्यक्ष मदनलाल बोराणा को अध्यक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवमनोनीत अध्यक्ष ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए शपथ दिलाई। टीम में उपाध्यक्ष विमल पितलिया, शंकरलाल दक, हंसराज चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत, सहमंत्री सतीश पोरवाड़, किरण कोठारी, कोषाध्यक्ष धीरेंद्र श्रीश्रीमाल, संगठन मंत्री अरविंद गन्ना, मीडिया प्रचार-प्रसार प्रभारी रनीत कोठारी, कमलेश चोरड़िया सहित कार्यसमिति सदस्यों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अपने प्रथम वक्तव्य में अध्यक्ष मदनलाल बोराणा ने कहा कि वे ज्ञानशाला में अधिक से अधिक ज्ञानार्थियों को जोड़ने और उन्हें भवन तक लाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने भवन की देखरेख एवं सुव्यवस्थित रखरखाव का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही इस वर्ष आचार्यश्री महाश्रमणजी से चातुर्मास के निवेदन हेतु समाज की ओर से पूर्ण समर्पण और पुरजोर प्रयास करने का आश्वासन दिया।मुनि आकाश कुमारजी ने कहा कि जैसे बिना सेनापति के सेना का उचित मार्गदर्शन संभव नहीं, वैसे ही किसी भी समाज अथवा धर्मसंघ के सुचारु संचालन के लिए सक्षम नेतृत्व आवश्यक है। मुनि विनीत कुमारजी ने कहा कि हमारा दायित्व धर्मसंघ के प्रति सदैव जागरूक और समर्पित रहे। अध्यक्ष जब भी कोई कार्य करें, तो टीम का विश्वास जीतते हुए सभी को साथ लेकर चलें। तेयुप अध्यक्ष राजेश देरासरिया, महिला मंडल अध्यक्षा सुनीता कोठारी, गांधीनगर सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, अणुव्रत बेंगलुरु अध्यक्ष ललित बाबेल, अनुविभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने नवमनोनीत अध्यक्ष एवं टीम को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री सतीश पोरवाड़ ने किया। रनीत कोठारी ने धन्यवाद दिया।

पद विहार में जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा और समाज के सहयोग पर हुई चर्चा

जीतो साउथ व अन्य सभा के सदस्यों ने आयोजित की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ और अन्य पंथों के प्रतिनिधियों की एक बैठक चामराजपेट स्थित जीतो कार्यक्रम में हुई जिसका उद्देश्य विहार के दौरान जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा और कम्युनिटी के आपसी सहयोग को मजबूत करना था। जीतो साउथ के वाइस चेयरमैन महेंद्र रांका ने सभी का स्वागत करते हुए साधु साध्वियों की सुरक्षा के लिए एकजुट प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया। साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने उद्देश्यों की जानकारी देते हुए समाज की ओर से ठोस और व्यावहारिक समाधान खोजने का आह्वान किया। बैठक में देश भर में विहार कर रहे जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं पर चर्चा हुई। सदस्यों ने दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय, विहार, आहार और ठहरने की व्यवस्था के लिए सुनियोजित सहयोग और स्वागत कार्यक्रमों व चातुर्मास गतिविधियों के लिए बेहतर तालमेल पर बातचीत की। ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर के राकेश जैन ने सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने विहार सेवा, विहार के दौरान साधु-साध्वियों की सुरक्षा के नियमों और सभी नेशनल हाईवे पर पैदल चलने वालों व साधुओं के लिए अलग मार्ग बनाने की तत्काल जरूरत पर विस्तार से बात की। अन्य संघ प्रतिनिधियों ने भी बहुमूल्य सुझाव दिए। इनमें पैदल चलने वालों की सुरक्षा, जैन मंदिरों, उपाश्रयों, धर्मशालाओं और समाज की अन्य संपत्तियों की सुरक्षा के उपाय और चैरिटेबल, सामाजिक, गौशाला से जुड़े कार्यों में बेहतर सहयोग शामिल था।

कम्युनिटी प्रोजेक्ट्स के लिए संसाधन, जानकारी और बेहतरीन तौर-तरीके साझा करने की जरूरत पर भी जोर दिया गया। बैठक का समापन इस सर्वसम्मत फैसले के साथ हुआ कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने का समय मांगा जाएगा। उन्हें सभी पंथों के साधु-साध्वियों (जिनमें पूरे भारत में पैदल यात्रा करने वाले जैन साधु भी शामिल हैं) की सुरक्षा के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। विहार सेवा के लिए एक समर्पित समिति और एक समन्वय समिति बनाने का भी निर्णय लिया गया, ताकि विहार के दौरान सुनियोजित सहयोग और समय पर मदद सुनिश्चित की जा सके। अर्हम ग्रुप के अरविंद जैन ने बताया कि उनके पास 1,000 से अधिक सदस्य हैं जो सभी पंथों के संतों के विहार का समन्वय और प्रबंधन करते हैं। इस मौके पर उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, कैलाश संकलेचा, अखिल भारतीय जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु के अनेक सदस्य उपस्थित थे। संयुक्त कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया ने धन्यवाद दिया।

'अहिंसा के बिना न दुनिया बचेगी, न विश्व शांति रहेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय महावीर दर्शन मंच की स्थानीय इकाई की ओर से सोमवार को आयोजित 'अहिंसा के बिना विश्वशान्ति असंभव व अहिंसा कभी हार नहीं सकती' विषय पर जेपी नगर के आदिनाथ चैम्बर में परिचर्चा आयोजित की। इस परिचर्चा में वक्ता सोहन मेहता ने कहा कि एक दिन में दुनिया को खत्म करने के खौफनाक हथियार ईजाद होने पर भी दुनिया इसीलिए बची हुई है क्योंकि दुनिया को बचाने वाला अहिंसा कवच कभी भी इसे सफल होने ही नहीं देगा। अहिंसा एक ऐसा अमोघ अस्त्र है जो हर विनाश व विध्वंस को हराने में सबसे अधिक सक्षम है। अहिंसा के बिना विश्वशांति कभी सम्भव ही नहीं है। परिचर्चा में वीगेन मूवमेंट यानी पूर्ण शाकाहार के समर्थक दिनेश जैन ने कहा कि अहिंसा न कभी हारी है न हारेगी। मंच के बेंगलूरु इकाई के संयोजक बाबूलाल भंडारी ने कहा कि दुनिया को वो विराट अंग्रेजी राज जिसमें सूरज नहीं डूबता था, उसे भी गाँधी के अहिंसा आंदोलन के सामने घुटने टेकने ही पड़े। इस मौके पर अनेक शोधार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप हनुमंतनगर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा 'योग से ही होगा 3.0' के तहत तेरापंथ भवन में योग अभ्यास किया गया। प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षक विनोद पावेचा,राजुल चोपड़ा एवं संतोष गादिया के सहयोग से योग एवं मेडीटेशन करवाया गया। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत व राष्ट्रीय महामंत्री सौरभ पटावरी ने योग की महत्ता बताई। इस मौके पर तेयुप के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी की ओर से संतों को सम्मान की काम्बली अर्पण की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी की ओर से मोहनलालजी के समुदायवर्ती नवीन आचार्य श्री जिनचन्द्रसूरीजी (पूर्व नाम श्री विनयकुशलमुनि जी) को रायपुर में आचार्य पद ग्रहण करने पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, बहादुर कांकरिया, प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया, चम्पालाल शाह, रमेश गुलेच्छा, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, हितेन्द्र चौपड़ा आदि अनेक सदस्यों ने गुरुदेव को सम्मानपूर्वक काम्बली ओढ़ाई। इस मौके पर पन्यासश्री वीरभद्रगणि (विरागमुनिजी) ने लगातार 169 उपवास की उग्र तपस्या सम्पन्न करके पारणा किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने संतों को बेंगलूरु संघ की ओर से शुभकामनाएं दी। ललित डाकलिया ने बताया कि इसके एक दिन पूर्व 14 वर्षीय सहस्त्रावधानी श्री हंसभद्र मुनि जी ने चतुर्विध संघ के समक्ष ऐतिहासिक सहस्त्रावधान (जिसमें एक हजार प्रश्न व उत्तर अपनी स्मृति में अंकित करके पुनः उसी क्रम में ऊपर से व नीचे से दोहराना)विधि की तथा अपना नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया। इस अवसर पर खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी ने भी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु साय, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रेक्षा फाउंडेशन

बेंगलूरु के प्रेक्षा फाउन्डेशन के निर्देशन में अर्हम मित्र मंडल एवं विजयनगर प्रेक्षाध्यान केंद्र द्वारा अर्हम भवन में विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य प्रेक्षाध्यान की विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रेक्षा प्रशिक्षक दक्षिण संयोजिका वीणा बैद एवं अर्हम मित्र मंडल के उपाध्यक्ष उमेद नाहटा ने सभी का स्वागत किया। यौगिक क्रियाएँ एवं योगासन प्रयोग प्रज्ञा छाजेड़ एवं नीता सेठिया, ॐ मंत्र के साथ ध्यान प्रयोग वीणा बैद ने कराया एवं प्रेक्षा फाऊंडेशन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मंजू लूनिया ने संचालन किया तथा छत्रसिंह मालू ने धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

|| जय महेश ||
माहेश्वरी समाज का 5159वां उत्पत्ति दिवस दिनांक 23 जून 2026

महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक मंगल शुभकामनाएं
माहेश्वरी सभा
माहेश्वरी भवन, 3/4, ओकलीपुरम मेन रोड, बेंगलुरु-21
भगवानदास लाहोटी अध्यक्ष
कार्यसमिति सदस्यगण
सत्यनारायण मालानी सचिव
* शुभकामनाओं सहित *
* माहेश्वरी महिला संगठन * माहेश्वरी युवा संघ * माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
* माहेश्वरी फाउण्डेशन * माहेश्वरी सौ. क्रे. को-ऑप. सो. लि.

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**